E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 124 | प्रयागराज, गुरूवार 30 जुलाई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

यूक्रेन में जहाज के पास हमले में 13 भारतीय फंसे, 15 क्रू मेंबर सवार थे, लगातार ड्रोन और मिसाइलों से हो रहे हमले

कीव। यूक्रेन में चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर जहाज के पास हमले में 13 भारतीय फंस गए हैं। 'एमवी अमीर 1' नाम का जहाज लगातार हो रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच फंस गया है। इसके बाद इंडियन सीमेन यूनियन ने इस मामले में तुरंत मदद की अपील की है। यूनियन के मुताबिक, जहाज पर कुल 15 क्रू मेंबर सवार थे, जिनमें 13 भारतीय नाविक शामिल हैं। जहाज बेहद खतरनाक हालात में फंसा हुआ है। उसके आसपास लगातार ड्रोन और मिसाइल हमलों की कोशिश हो रही है, जिससे चालक दल के सदस्य हर पल सीधे हमले की आशंका में जी रहे हैं। यूनियन ने भारत सरकार, जहाज के मालिक, फ्लैग स्टेट और सभी संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि नाविकों की सुरक्षा तुरंत सुनिश्चित की जाए और उन्हें जल्द से जल्द सुरक्षित भारत वापस लाया जाए। यूनियन ने कहा कि भारतीय नाविकों को युद्ध वाले इलाके में निशाना बनने के लिए नहीं छोड़ा जाना चाहिए और इस मामले में तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए।इंडियन सीमेन यूनियन के बारे में जानिए- इंडियन सीमेन यूनियन भारतीय नाविकों और समुद्री कर्मियों के अधिकारों, सुरक्षा, वेतन और कामकाजी परिस्थितियों से जुड़े मुद्दे उठाता है। इसका काम मुख्य रूप से:- भारतीय सीमेन के हितों की रक्षा करना। वेतन, अनुबंध और काम की शर्तों को लेकर जहाज मालिकों और कंपनियों से बातचीत करना। विदेशों में फंसे भारतीय नाविकों की मदद के लिए सरकार और संबंधित एजेंसियों से संपर्क करना। समुद्री दुर्घटनाओं, युद्ध या संकट की स्थिति में क्रू की सुरक्षा और उन्हें वापस लाने की मांग उठाना। ब्लैक सी में बढ़ता तनाव, कारोबार पर असर- यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब रूस और यूक्रेन के बीच ब्लैक सी और सी ऑफ एजोव में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। इससे कारोबारी जहाजों और अनाज के निर्यात पर खतरा बढ़ गया है। 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद ब्लैक सी दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री इलाकों में शामिल हो गया। कुछ अंतरराष्ट्रीय समझौतों से अनाज का निर्यात फिर शुरू हुआ था, लेकिन हाल के महीनों में बढ़े हमलों से यह व्यवस्था फिर प्रभावित हुई है। यूक्रेन लगातार रूस के ऊर्जा ढांचे और तेल टैंकरों को निशाना बना रहा है। वहीं रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों, ईंधन भंडारण केंद्रों और कार्गो जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी दावा किया है कि उसकी सेना ने ओडेसा बंदरगाह पर ईंधन भंडारण केंद्रों पर हमला किया।

वैश्विक अनाज कारोबार पर भी असर-यूक्रेन दुनिया के कुल गेहूं निर्यात का करीब 6फीसदी और मक्का निर्यात का लगभग 11फीसदी हिस्सा देता है। लेकिन लगातार हो रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण ब्लैक सी के जरिए होने वाला यूक्रेन का अनाज निर्यात करीब एक-तिहाई तक प्रभावित हुआ है। दूसरी तरफ यूक्रेनी हमलों का असर रूस के अनाज कारोबार पर भी पड़ा है। रॉयटर्स के मुताबिक, यूक्रेन के हमलों के कारण रूस को सी ऑफ एजोव के रास्ते होने वाली जहाजों की आवाजाही सीमित करनी पड़ी है। इसी रास्ते से रूस के करीब एक-चौथाई अनाज का निर्यात होता है।

ट्रम्प ने नेतन्याहू-जेलेंस्की से बंद कमरे में करि मुलाकात कहा- ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे,जेलेंस्की बोले- अमेरिका लंबी दूरी के मिसाइल देगा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से अलग-अलग मुलाकात की। हालांकि, इस बार दोनों बैठकें ओवल ऑफिस में आमतौर पर होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रम की बजाय बंद कमरे में हुईं। द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, ट्रम्प आमतौर पर विदेशी नेताओं से कैमरों के सामने मुलाकात करते हैं, लेकिन इस बार मीडिया को बैठक से दूर रखा गया। मुलाकात के बाद ट्रम्प ने भी कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया। इसकी जानकारी नेतन्याहू और जेलेंस्की ने खुद दी। नेतन्याहू ने कहा कि ट्रम्प के साथ उनकी अच्छी बातचीत हुई और दोनों इस बात पर सहमत हैं कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने दिए जाएंगे। वहीं, जेलेंस्की ने बताया कि करीब एक घंटे चली बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने की कोशिशों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि ट्रम्प यूक्रेन को पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम उपलब्ध कराने के अपने वादे पर कायम हैं। यूक्रेन को इन सिस्टमों की जरूरत रूस के बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों से अपने शहरों और अहम ठिकानों की रक्षा के लिए है। होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही अब भी कम, बाब अल-मंदेब में समुद्री ट्रैफिक बढ़ा- होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही अब भी धीमी बनी हुई है, जबकि बाब अल-मंदेब स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की संख्या बढ़ गई है। रॉयटर्स ने बुधवार को शुरुआती शिपिंग डेटा के हवाले से यह जानकारी दी।रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट से 37 जहाज गुजरे। यह पिछले 10 में सबसे बड़ा आंकड़ा है। वहीं, केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को होर्मुज से केवल 5 जहाज गुजरे। यूएस और सऊदी आर्मी ने इराक में ईरानी ठिकानों पर किए हमले-अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि अमेरिकी और सऊदी अरब की सेनाओं ने इराक में ईरान समर्थित समूहों के खिलाफ संयुक्त सटीक हमले किए हैं। इन समूहों ने आईआरजीसी के निर्देश पर अमेरिकी बलों और सऊदी अरब के ऊर्जा ढांचे पर हमले किए थे। सेंटकॉम ने बयान में कहा कि अमेरिका और सऊदी अरब के लड़ाकू विमानों ने पूर्वी इराक में कई आतंकी लॉजिस्टिक्स और हथियार ठिकानों को निशाना बनाया। उसके मुताबिक, यह कार्रवाई पिछले 72 घंटों में आईआरजीसी के निर्देश पर किए गए 30 से अधिक ड्रोन हमलों के जवाब में की गई। ईरान ने कहा- होर्मुज पर कंट्रोल रखने कोई भी कदम उठाएंगे-ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा है कि तेहरान होर्मुज पर अपना नियंत्रण बनाए रखने के लिए कोई भी कदम उठाने पर विचार करेगा। उन्होंने कहा कि इसमें युद्ध फिर से शुरू करने का विकल्प भी शामिल हो सकता है। वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उन्हें आश्वासन दिया गया है कि ईरानी जहाज पर यूक्रेन का हमला अनजाने में हुआ और यूक्रेन तनाव बढ़ाना नहीं चाहता।

पाक रक्षा मंत्री बोले- पीओके के प्रदर्शनकारी भारत जैसे दुश्मन,इनसे कोई बातचीत नहीं होगी-फायरिंग में 30 प्रदर्शनकारियों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि पीओके में सरकार विरोधी प्रदर्शन कर रहे लोगों को वह भारत की तरह पाकिस्तान का दुश्मन मानते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से किसी तरह की बातचीत नहीं की जाएगी-आसिफ का यह बयान उस समय आया है, जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके में पुलिस की फायरिंग में 30 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यहां चुनाव के विरोध में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने मार्च निकाला था। प्रदर्शनकारी पीओके विधानसभा की 12 शरणार्थी सीटों को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। हिंसा के बाद पाकिस्तान ने पूरे पीओके में अतिरिक्त सेना, पैरा मिलिट्री और आर्म्ड कॉन्स्टेबुलरी तैनात कर दी है। पूरे क्षेत्र में धारा-144 लागू कर इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। 5 हजार लोगों के मार्च पर चली गोलियां- मंगलवार को जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बैनर तले करीब 5 हजार लोग रावलाकोट से मुजफ्फराबाद की ओर मार्च निकाल रहे थे। संगठन का आरोप है कि सुरक्षा बलों ने बिना किसी उकसावे के फायरिंग कर दी।हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने जेएएसी के आरोपों से इनकार किया है। सरकार का दावा है कि प्रदर्शनकारी आधुनिक हथियारों से लैस थे और उन्होंने पहले सुरक्षाबलों पर हमला किया, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई। पीओके की 12 शरणार्थी सीटों का विवाद क्या है? पीओके विधानसभा में कुल 53 सीटें हैं। इनमें 8 सीटें महिलाओं, टेक्नोक्रेट्स और अन्य आरक्षित वर्गों के लिए हैं। बाकी 45 सीटों पर सीधे चुनाव होते हैं। इन्हीं 45 सीटों में 12 सीटें उन कश्मीरी शरणार्थियों के लिए हैं, जो 1947 और उसके बाद जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान चले गए थे। इन सीटों के मतदाता पीओके में नहीं, बल्कि पाकिस्तान के पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और अन्य हिस्सों में रहते हैं। इस बार इन 12 सीटों पर करीब 6 लाख मतदाता वोट डालेंगे। जेएएसी का आरोप है कि इन सीटों के जरिए इस्लामाबाद की राजनीतिक पार्टियां पीओके की सरकार के गठन में दखल देती हैं। कई बार इन सीटों के नतीजे विधानसभा में बहुमत का समीकरण बदल देते हैं। यही वजह है कि जेएएसी की मांग है कि विधानसभा चुनने का अधिकार सिर्फ पीओके में रहने वाले लोगों के पास होना चाहिए और 12 शरणार्थी सीटों की व्यवस्था खत्म की जाए। विपक्षी दलों का भी आरोप है कि इन सीटों का इस्तेमाल चुनावी नतीजों को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। इसी कारण पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समेत कई दल चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठा चुके हैं।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को चीन से मिला रु6,000 करोड़ का फंड, अमेरिका विदेशी फंडिंग पर उठा सवाल, जांच की मांग हुई शुरू

वॉशिंगटन। अमेरिका में विश्वविद्यालयों को मिलने वाली विदेशी फंडिंग पर सवालों के बीच विश्वविद्यालयों की फंडिंग की जांच शुरू करने की मांग भी उठ रही है। लैब की जासूसी और बड़ा खुलासा हुआ है। शिक्षा विभाग के पोर्टल के मुताबिक, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को विदेशी स्रोतों से रिकॉर्ड 43,100 करोड़ रुपए की फंडिंग मिली है। यह अमेरिका के किसी भी विश्वविद्यालय को मिली सबसे बड़ी विदेशी फंडिंग है। इसमें करीब 6 हजार करोड़ रुपए चीन से आए हैं। इस खुलासे के बाद ट्रम्प प्रशासन और देश की शीर्ष यूनिवर्सिटीज के बीच टकराव और बढ़ने की आशंका है। ट्रम्प प्रशासन पहले से ही वीजा नियम सख्त करने और विदेशी छात्रों की निगरानी बढ़ाने की नीति अपना रहा है। उसका कहना है कि अमेरिकी विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों और विदेशी फंडिंग पर जरूरत से ज्यादा निर्भर हो गए हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े जोखिम पैदा हो सकते हैं। इसी वजह से कई सैन्य तकनीक चोरी का खतरा- अमेरिकी अधिकारियों और सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी फंडिंग के जरिए संवेदनशील रिसर्च और तकनीक तक पहुंच बनाने की कोशिश की जा सकती है। आशंका जताई जा रही है कि चीन की सेना से जुड़े संस्थान विश्वविद्यालयों को फंड देकर अमेरिकी तकनीक और रिसर्च का फायदा अपने सैन्य कार्यक्रमों में उठा सकते हैं। इसी वजह से विदेशी फंडिंग को अब सिर्फ आर्थिक मदद नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से भी देखा जा रहा है। हार्वर्ड और विदेशी संस्थाओं में 7,089 वित्तीय सौदे हुए-शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड के मुताबिक, हार्वर्ड ने विदेशी संस्थाओं के साथ 7,089 वित्तीय सौदों की जानकारी दी है। इसी वजह से वह विदेशी फंडिंग पाने वाला अमेरिका का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय बन गया है। रिकॉर्ड के अनुसार, हार्वर्ड को चीन के सैन्य विकास से जुड़ी संस्थाओं से करीब 4 करोड़ रुपए और चीन के विदेशी टैलेंट प्रोग्राम से भी करीब 4 करोड़ रुपए मिले हैं। ट्रम्प ने कहा था- यह यूनिवर्सिटी एक मजाक है- हार्वर्ड यूनिवर्सिटी लंबे समय से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निशाने पर रही है। पिछले साल ट्रम्प ने कहा था- 'हार्वर्ड अब एक मजाक बन गया है।

यह नफरत और मूर्खता सिखाता है। इसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की सूची में नहीं होना चाहिए और इसे सरकारी फंडिंग भी नहीं मिलनी चाहिए।' ट्रम्प ने यह बयान हार्वर्ड की करीब 18 हजार करोड़ रुपए की फंडिंग रोकने के एक दिन बाद दिया था। उन्होंने यूनिवर्सिटी का टैक्स-फ्री दर्जा खत्म करने की बात भी कही थी।

रूस ने टेलीग्राम के फाउंडर को वॉन्टेड लिस्ट में डाला,पावेल दुरोव पर आतंकवाद फैलाने का आरोप, केस दर्ज; एप हो सकता है बैन

मॉस्को। रूस की मुख्य सुरक्षा एजेंसी फेडरल सिक्योरिटी सर्विस (एफएसएस) ने मैसेजिंग एप टेलीग्राम के फाउंडर पावेल दुरोव के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप तय किए हैं। रूस ने उन्हें इंटरनेशनल वॉन्टेड लिस्ट में भी डाल दिया है। एफएसएस ने आरोप लगाया कि टेलीग्राम का एडमिनिस्ट्रेशन उन चैनल्स, चैट्स और बोट्स को हटाने में नाकाम रहा है, जिनका इस्तेमाल यूक्रेनी इंटेलिजेंस एजेंसियां और चरमपंथी संगठन रूस में तोड़फोड़, साइबर फ्रॉड और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कर रहे हैं। रूस में पूरी तरह से बैन हो सकता है टेलीग्राम एप-सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि बार-बार चेतावनी के बावजूद टेलीग्राम प्रशासन ने इन्हें हटाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। पावेल दुरोव पर नया केस दर्ज होने के बाद अब रूस में टेलीग्राम के भविष्य और इसकी सेवाओं पर पूरी तरह बैन लगने की आशंका बढ़ गई है। दुबई में रहकर एप का ऑपरेशन संभाल रहे दुरोव-पावेल दुरोव का जन्म रूस में ही हुआ था, लेकिन उन्होंने 2021 में फ्रांस की नागरिकता हासिल कर ली थी। इस समय वे दुबई से अपनी कंपनी और एप का संचालन कर रहे हैं। टेलीग्राम पर पहले से पाबंदियां, फिर भी लोकप्रिय-रूस में टेलीग्राम सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग एप्स में से एक है। रूसी सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए एप पर पहले ही कड़े प्रतिबंध लगा रखे हैं। इसके बावजूद आम लोगों से लेकर सरकारी और मिलिट्री से जुड़े लोग भी इस एप का उपयोग करते हैं। भारत में भी विवादों में रहा है टेलीग्राम एप-क्या है फेडरल सिक्योरिटी सर्विस-एफएसएस रूस की मुख्य आंतरिक सुरक्षा और खुफिया एजेंसी है। यह पूर्ववर्ती सोवियत संघ की एजेंसी केजीबी की उत्तराधिकारी मानी जाती है। इसका मुख्य काम देश के भीतर आतंकवाद रोकना, सीमाओं की सुरक्षा करना और साइबर सुरक्षा की निगरानी करना है। कौन हैं पावेल दुरोव- 1984 में रूस में जन्मे दुरोव को 'रूस का मार्क जकरबर्ग' कहा जाता है। उन्होंने टेलीग्राम से पहले रूस का सबसे बड़ा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीके बनाया था। डेटा प्राइवेसी और अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर रूसी सरकार से हुए विवाद के बाद उन्होंने 2014 में रूस छोड़ दिया था। अभी दुरोव दुबई में रहते हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह को भारत का निमंत्रण, आधिकारिक दौरे का मिला न्योता

काठमांडू/नयी दिल्ली। भारत ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन को आधिकारिक यात्रा का न्योता भेजा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने

मंगलवार को इसकी पुष्टि की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नई दिल्ली में प्रेस ब्रीफिंग में इसकी पुष्टि की है। जायसवाल ने कहा कि यह निमंत्रण दोनों पड़ोसी देशों के बीच लगातार जारी राजनयिक संपर्क का हिस्सा है। हालांकि, भारत सरकार ने अभी तक यात्रा की तारीख या एजेंडे की जानकारी साझा नहीं की है। वहीं, नेपाल सरकार की ओर से भी अभी यह नहीं बताया गया है कि प्रधानमंत्री शाह भारत की यात्रा कब करेंगे।

लाल सागर में जहाजों पर टैक्स लगाने की तैयारी, ईरान ने हूती विद्रोहियों को आइडिया दिया, चीनी जहाजों को छूट मिल सकती है

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी/तेल अवीव। यमन के हूती विद्रोही रेड सी (लाल सागर) के दक्षिणी हिस्से से गुजरने वाले कारोबारी जहाजों पर शुल्क लगाने की तैयारी कर रहे हैं। रॉयटर्स ने यह जानकारी सूत्रों ने के हवाले से दी है। हालांकि, इसे कब लागू किया जाएगा, इसकी कोई समयसीमा तय नहीं की गई है। बाब अल-मंदेब रेड सी को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाला दुनिया का अहम समुद्री रास्ता है। रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए हूती नेता ईरान गए थे। वहां ईरानी अधिकारियों ने जहाजों पर टैक्स लगाने का आइडिया दिया था। बाद में ईरानी सलाहकारों ने हूती अधिकारियों के साथ मिलकर टैक्स वसूलने के लिए एक संभावित व्यवस्था तैयार करने में भी मदद की। प्रस्ताव के तहत चीनी जहाजों को इस शुल्क से छूट दी जा सकती है। चीन सऊदी अरब से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाला देश है। पिछले 24 घंटे के बड़े अपडेट्स-1. ट्रम्प-नेतन्याहू की मुलाकात, ईरान पर बनी सहमतिः व्हाइट हाउस में हुई बैठक के बाद नेतन्याहू ने इसे अपनी सबसे अच्छी बैठकों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि दोनों नेता इस बात पर सहमत हैं कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिए जाएंगे। 2. जेलेंस्की ने ट्रम्प से एयर डिफेंस और युद्ध पर की चर्चाः यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ट्रम्प से मुलाकात में पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम, रक्षा सहयोग और रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर कूटनीतिक प्रयास तेज करने पर चर्चा की। 3. होर्मुज स्ट्रेट पर ओमान का नया फॉर्मूलाः ईरान-अमेरिका तनाव के बीच ओमान ने प्रस्ताव दिया है कि होर्मुज स्ट्रेट का नियंत्रण सिर्फ ईरान के पास न होकर क्षेत्र के सभी देशों की साझेदारी में हो। इस प्रस्ताव को खाड़ी के कई देशों का समर्थन भी मिला है। 4. अमेरिका-ईरान बातचीत की खबरों से कच्चा तेल सस्ताः दोनों देशों के बीच बातचीत की संभावना बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को व्यापारियों की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में

जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक आयोजित की गयी, जिसमें प्रयागराज जनपद के व्यापार मंडलो के प्रतिनिधि एवं व्यापारीगण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों के साथ उनकी समस्याओं एवं समाधानों पर विस्तार से चर्चा की गयी तथा व्यापारियों की समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने बैठक में व्यापारियों के द्वारा हैवी ट्रैफिक से जाम, साफ-सफाई, पार्किंग व्यवस्था, दुकानों के सामने अवैध अतिक्रमण को हटाये जाने सहित अन्य विषयों पर दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों को सम्मिलित करते हुए उसके निस्तारण के सम्बंध में सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को व्यापारियों की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश दिए।बैठक में द्विवेदी हॉस्पिटल-म्योर रोड ट्रैफिक चौराहा की संचालिका के द्वारा बताया गया कि अस्पताल से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट को हटाने के लिए निर्धारित शुल्क जमा करने के बावजूद भी नगर निगम की गाड़िया कई दिनों के अंतराल पर आती है, जिससे कि मेडिकल वेस्ट को हटाने में समस्या उत्पन्न होती है, जिलाधिकारी ने नगर निगम को सभी अस्पतालों से मेडिकल वेस्ट हटाने के लिए नियमित रूप से गाड़ियों को भेजे जाने एवं मेडिकल वेस्ट को प्रतिदिन हटवाये जाने के निर्देश दिए है। व्यापारियों के द्वारा मुण्डेरा चुंगी स्थित ठण्डी बियर और अंग्रेजी शराब की दुकान को कहीं अन्यत्र स्थान पर शिफ्ट करने का अनुरोध किया गया। व्यापारियों के द्वारा बताया गया कि दुकान के पीछे शराबी बैठकर शराब पीते है तथा कई बार सड़क पर ही बैठकर पीना शुरू कर देते है, जिससे वहां पर गुटो में मारपीट की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जिलाधिकारी ने इस सम्बंध में आबकारी विभाग एवं नगर निगम को समन्वय बनाते हुए उक्त दुकान को कहीं अन्यत्र शिफ्ट किए जाने का निर्देश दिया है। बैठक में व्यापारियों के द्वारा तहसील सोरांव में व्यापारियों से सम्बंधित शिकायतों के उठाये जाने पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सोरांव एवं एसीपी सोरांव को व्यापारियों के साथ बैठक करते हुए उनकी समस्याओं को प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने के लिए कहा है। तहसील सोरांव में पेयजल योजना के तहत कराये गये कार्यों की अपूर्णता की शिकायत पर जिलाधिकारी ने जल निगम को शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करते हुए कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने नेशनल हाईवे पर अनाधिकृत रूप से किए गए कट को तत्काल बंद कराये जाने का निर्देश दिया है साथ ही साथ यह भी निर्देशित किया कि किसी के द्वारा यदि पुनः कट किया जाता है, तो उसके विरूद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही साथ उन्होंने सभी नेशनल हाईवे पर लाइटो को ठीक कराकर क्रियाशील रखने के निर्देश दिए है। कहा कि कावंड यात्रा के दृष्टिगत हाईवे पर लाइट खराब न रहे और यदि कोई लाइट खराब हो, तो उसको तत्काल ठीक कराया जाना सुनिश्चित करें।

व्यापारियों के द्वारा इलाहाबाद-प्रतापगढ राष्ट्रीय राजमार्ग पर लेहरा मोड़ के पास एक नाले का गड्ढा खुला होने के बारे में शिकायत किए जाने पर जिलाधिकारी ने कहा कि यदि अभी तक उसको ठीक नहीं कराया गया है, तो सम्बंधित विभाग तत्काल उसको ठीक कराना सुनिश्चित करें। बैठक में व्यापारियों के द्वारा चौक के कई मोहल्लो में जर्जर विद्युत तार होने तथा लटकने की शिकायत किए जाने पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को तत्काल जर्जर तारों को ठीक कराये जाने का निर्देश दिया है। बैठक में व्यापारियों के द्वारा सिविल लाइन एवं पत्रिका चौराहे पर जाम की शिकायत किए जाने पर जिलाधिकारी ने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

इस अवसर पर जिला व्यापार बंधु समिति के सदस्य/पदाधिकारीगणों के अलावा जीएसटी विभाग के अधिकारीगणों के अलावा अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

श्रावण मास आज से प्रारम्भ हुआ जो 28 अगस्त तक चलेगा जिसके मद्देनज़र बड़ी बस/ कामर्शियल वाहनों का डायवर्जन इस प्रकार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। वर्ष 2026 श्रावण मास दिनांकः 30.07.2026 से

प्रारम्भ हुआ है। जो दिनांकः 28.08.2026 तक चलेगा। काँवड़ यात्रा के दौरान बड़ी बस / कामर्शियल वाहनों का डायवर्जन निम्न प्रकार से किया जायेगा। जीटी जवाहर अलोपीबाग चुंगी से वाराणसी मार्ग पर भीटी प्रयागराज सीमा तक बांये लेन पर वाहनों का दिनांकः 30.07.2026 से 28.08.2026 तक पूर्ण प्रतिबन्धित रहेगा, आवागमन हेतु दाहिनें लेन का प्रयोग होगा। दिनांकः 03 अगस्त 2026 (प्रथम सोमवार हेतु) किया जाने वाला रुट डायवर्जन दिनांकः 01 अगस्त शनिवार की रात्रि 22.00 बजे से आरम्भ होकर दिनांक 04 अगस्त मंगलवार को रात्रि 22.00 बजे तक रहेगा) अन्तर्जनपदीय डायवर्जनः-1 - कानपुर की ओर से वाराणसी को जाने वाले भारी वाहन का डायवर्जन कानपुर-रामादेवी जार्जमऊ शहीद चन्द्रशेखर आजाद मार्ग-बदरका अचलगंज-बीघापुर रायबरेली-प्रतापगढ़-जौनपुर व वाराणसी के तरफ जायेंगे तथा वापसी का मार्ग भी यही होगा। 2 - कौशाम्बी की तरफ से आने वाले वाहन प्रयागराज बाईपास से सोरॉव कट से उतरकर भुपिया मऊ (प्रतापगढ़) मुंगरा बादशाहपुर, मछली शहर के रास्ते वाराणसी जायेंगे तथा वापसी का मार्ग भी यही होगा। 3-लखनऊ की ओर से वाराणसी जाने वाले भारा/ कामर्शियल वाहन रायबरेली, सलोन, प्रतापगढ़, जौनपुर के रास्ते वाराणसी जायेंगे तथा वापसी का मार्ग भी यही होगा। 4 - प्रतापगढ़ की ओर से वाराणसी जाने वाले वाहन प्रतापगढ़, मछली शहर जौनपुर के रास्ते वाराणसी जायेंगे तथा वापसी का मार्ग भी यही होगा। 5-रीवां की ओर से वाराणसी जाने वाले वाहन मनगवां, हनुमना से मिर्जापुर के रास्ते वाराणसी जायेंगे। 6- रीवां से लखनऊ कानपुर जाने वाले वाहन चित्रकूट, बांदा, चौडगरा, फतेहपुर होकर अपने गन्तव्य को जायेंगे तथा वापसी का मार्ग भी यही होगा। 7- चित्रकूट की तरफ से आने वाले वाहन राजापुर, कौशाम्बी, कोखराज होकर अपने गन्तव्य को जायेंगे। 8-शहर में लोड. अनलोड वाले वाहन कोखराज बाईपास से थाना पुरामुफ्ती होते हुये धूमनगंज मार्ग से प्रवेश करेंगे। 9-वाराणसी के तरफ से आने वाली रोडवेज बसें हण्डिया, सहसो, फाफामऊ से प्रयागराज में प्रवेश करेंगी। (शास्त्री ब्रिज का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा) 10- जौनपुर के तरफ से आने वाली रोडवेज बसें फूलपुर, सहसो, फाफामऊ से प्रयागराज में प्रवेश करेंगी। (शास्त्री ब्रिज का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा) 11-उपरोक्त अवधि में सभी भारी कामर्शियल वाहनों (आवश्यक सेवाओं के अतिरिक्त) की नो-इन्ट्री रहेगी। उक्त अवधि में सभी प्रकार के वाहन पास निरस्त रहेंगे।

वाराणसी मंडल में ट्रेनों की सघन टिकट जांच,अभियान में बिना टिकट 53 यात्री पकड़े गए

रेलवे ने यात्रियों से वसूला रु44,665 हजार का जुर्माना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी

अंकुश लगाने के उद्देश्य से वाराणसी मंडल में रेलवे प्रशासन द्वारा सघन टिकट जांच अभियान लगातार चलाया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रशस्ति श्रीवास्तव के नेतृत्व में यह अभियान यात्रियों को वैध टिकट लेकर यात्रा करने के लिए जागरूक करने के साथ-साथ रेलवे राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी साबित हो रहा है। इसी क्रम में मंगलवार, 28 जुलाई 2026 को सीवान स्टेशन को आधार बनाकर छपरा-गोरखपुर तथा सीवान-पंचदेवरी रेलखंड पर संचालित विभिन्न ट्रेनों में विशेष मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान गाड़ी संख्या 75204 पंचदेवरी-सोनपुर सवारी गाड़ी, 55102 मऊ-छपरा सवारी गाड़ी, 55105 छपरा कचहरी-थावे सवारी गाड़ी, 75103 छपरा-थावे सवारी गाड़ी, 15028 मौर्या एक्सप्रेस तथा 15708 आम्रपाली एक्सप्रेस सहित कई मेल एवं सवारी गाड़ियों में यात्रियों के टिकटों की गहन जांच की गई। यह संयुक्त अभियान सीवान के मजिस्ट्रेट सुधांशु शेखर के नेतृत्व में संपन्न हुआ। अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक वी.के. तिवारी के साथ वाराणसी मंडल की रेड टीम के 13 टिकट जांच कर्मियों तथा रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के 7 जवानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सघन जांच के दौरान 53 बिना टिकट यात्रियों को पकड़ा गया। इन यात्रियों से रेलवे अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए रु44,665 रेल राजस्व के रूप में वसूल किए गए। अधिकारियों के अनुसार इस तरह के अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि बिना टिकट यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। अभियान का असर संबंधित रेलवे स्टेशनों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। टिकट काउंटरों पर यात्रा टिकट लेने के लिए यात्रियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं, जिससे यह संकेत मिला कि लोगों में वैध टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रशस्ति श्रीवास्तव ने यात्रियों से अपील की कि वे हमेशा वैध यात्रा टिकट लेकर ही सफर करें, रेलवे नियमों का पालन करें तथा ट्रेनों और रेलवे परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने में रेलवे प्रशासन का सहयोग दें। इस संबंध में मुख्य प्रचार निरीक्षक हिमांशु राव ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि यात्रियों की सुविधा, राजस्व संरक्षण एवं नियमों के प्रभावी अनुपालन के लिए वाराणसी मंडल में इस प्रकार के सघन टिकट जांच अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

ज्ञानकुंज सुप्रिया श्रीवास्तव को मिला SOF का बेस्ट डिस्ट्रिक्ट ओवरऑल कोऑर्डिनेटर अवॉर्ड'

बलिया की ज्ञानकुंज सीनियर सेकेंडरी एकेडमी की बड़ी उपलब्धि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बलिया। जिले के प्रतिष्ठित

शिक्षण संस्थान ज्ञान कुंज सीनियर सेकेंडरी एकेडमी बंशीबाजार ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परचम लहराया है। विद्यालय की एसओएफ (Science Olympiad Foundation) ओलंपियाड समन्वयक मिस सुप्रिया श्रीवास्तव को शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए प्रतिष्ठित 'बेस्ट डिस्ट्रिक्ट ओवरऑल कोऑर्डिनेटर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान जिले में ओलंपियाड गतिविधियों के सफल संचालन, विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने तथा शिक्षा के क्षेत्र में उनके समर्पण और अथक प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान है। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे जनपद में हर्ष का माहौल है। मिस सुप्रिया श्रीवास्तव ने अपने कुशल नेतृत्व, मेहनत और नवाचारी कार्यशैली से विद्यार्थियों में विज्ञान एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति रुचि विकसित की। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय के छात्रों ने एसओएफ ओलंपियाड परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुधा पांडेय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल एक शिक्षक का नहीं, बल्कि पूरे विद्यालय परिवार की मेहनत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का सम्मान है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी विद्यालय के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों को छुएंगे। इस विद्यालय प्रबंधक डा0 डी.एन.सिंह सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं ज्ञान कुंज परिवार ने मिस सुप्रिया श्रीवास्तव को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनका यह सम्मान विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

इस उपलब्धि ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि ज्ञान कुंज सीनियर सेकेंडरी एकेडमी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और प्रतिभाओं को निखारने की अपनी परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रही है तथा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रही है।

पीडीए उपाध्यक्ष ऋषि राज ने कार्यालय से बाहर आकर सुनीं जनता की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मंगलवार को

प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के उपाध्यक्ष ऋषि राज ने इंदिरा भवन स्थित कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान अपने कार्यालय से बाहर आकर आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने लोगों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतें प्राप्त कीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में भूमि संपत्ति, मानचित्र स्वीकृति, अवैध निर्माण तथा अन्य विकास संबंधी मामलों से जुड़ी शिकायतों पर सुनवाई की गई। नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं उपाध्यक्ष के समक्ष रखीं, जिन पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से परीक्षण कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपाध्यक्ष ऋषि राज ने कहा कि जनसामान्य की समस्याओं का त्वरित समाधान प्राधिकरण की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देशित किया कि भूमि एवं भवन संबंधी मामलों में पारदर्शिता बनाए रखते हुए शिकायतों का निष्पक्ष निस्तारण किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने पाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्राप्त शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई पूरी कर शिकायतकर्ताओं को उसकी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। साथ ही मानचित्र स्वीकृति एवं निर्माण संबंधी मामलों में शासन की नीतियों तथा प्राधिकरण के नियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान प्राधिकरण के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस पहल से नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे प्राधिकरण प्रशासन के समक्ष रखने और उनके समाधान की प्रक्रिया को निकट से समझने का अवसर मिला।

एक एकड़ से बदलेगा परिवार का भविष्य-इंडिया एग्रो की ऑर्गेनिक खेती की ओर बढ़ रहा है किसानों का कदम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। खेती को लाभदायक,

सुरक्षित और टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से अब किसान इंडिया एग्रो की ऑर्गेनिक खेती की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में 'मेरा एक एकड़, मेरे परिवार के नाम' अभियान किसानों के बीच जागरूकता का संदेश दे रहा है। अभियान का उद्देश्य है कि प्रत्येक किसान अपने खेत का कम से कम एक एकड़ हिस्सा ऑर्गेनिक खेती के लिए समर्पित करे, जिससे परिवार को शुद्ध एवं रसायन-मुक्त खाद्यान्न उपलब्ध हो सके।

ऑर्गेनिक खेती से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा पर्यावरण संरक्षण के साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलती है। यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ जीवन और सुरक्षित खेती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी रहे सत्येन्द्र की स्मृति में शोक सभा का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रतापगढ़। स्मृतिशेष सत्येन्द्र कुमार शर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष मौलिक अधिकार पार्टी प्रयागराज, प्राइवेट कर्मचारी एवं एजेंट एल आई सी प्रतापगढ़, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति, जिला उपाध्यक्ष राष्ट्रीय नाई महासभा प्रतापगढ़ की शोक सभा लाल बहादुर शर्मा (बहनोई) के आयोजकत्व में एवं प्रदेश महासचिव मौलिक अधिकार पार्टी उत्तर प्रदेश राम बहादुर शर्मा नंद के संचालन में स्थानः मीरा भवन चौराहा प्रतापगढ़, (पेट्रोल टंकी के पूरब गली, पाण्डेय का पुरवा) आवास पर संपन्न हुई। स्मृतिशेष सत्येन्द्र कुमार शर्मा के तस्वीर पर अखिलेंद्र शर्मा पुत्र राजेश शर्मा (अंत्येष्टिकर्ता) ने सर्वप्रथम सत्येन्द्र कुमार शर्मा की माता जी के साथ मल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उसके बाद राष्ट्रीय नाई महासभा प्रतापगढ़ के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा, मौलिक अधिकार पार्टी के प्रदेश महासचिव राम बहादुर

शर्मा नंद, प्रदेश प्रवक्ता प्रेम शंकर शर्मा, जिलाध्यक्ष विश्वास ठाकुर, ज़िला उपाध्यक्ष जनार्दन शर्मा, नगर अध्यक्ष राम कुमारशर्मा, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति के उपाध्यक्ष जगदेव प्रसाद प्रजापति,महामंत्री एडवोकेट भारतव्यास शर्मा, महापद्मनंद चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक बृजेंद्र नाथ शर्मा, एल आई सी के एजेंट लालता प्रसाद शर्मा, नीरज कुमार शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष सैलून एसोसिएशन प्रतापगढ़ नन्हे लाल शर्मा, श्यामलाल रावत आदि लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात राम बहादुर शर्मा नंद ने स्मृतिशेष सत्येन्द्र कुमार शर्मा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सत्येन्द्र कुमार मृदुल, हंसमुख, ईमानदार, कर्मठ, मिलनसार, समाज सेवक और राजनैतिक चिंतक थे। जिनके 40 वर्ष के ही अल्पायु में हम सब का साथ छोड़ देने से समाज की और परिवार की अपूर्णनीय क्षति हुई है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती है। अंततः सभी लोगों ने स्मृतिशेष सत्येन्द्र कुमार शर्मा की आत्मा की शान्ति हेतु प्रकृति से उनके पार्थिव शरीर को अपनी गोद में स्थान देने और शोकाकुल परिवार को इस असीम कष्ट को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु प्रार्थना करते हुए दो मिनट तक मौन रखा।

सामाजिक उत्थान एवं संगठन सशक्तिकरण सम्मेलन में संगठन विस्तार के साथ समाजसेवियों का हुआ सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ के चिलबिला स्थित राधे पैलेस में महापद्मनंद वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (एम डब्ल्यू ओ), जिला इकाई प्रतापगढ़ द्वारा 'सामाजिक उत्थान एवं संगठन सशक्तिकरण सम्मेलन' का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता राम चन्द्र शर्मा ने की, जबकि संचालन का दायित्व प्रांतीय सचिव उदय राज शर्मा ने निभाया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांतीय अध्यक्ष घनश्याम शर्मा के स्वागत उद्बोधन एवं सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डालने के साथ हुआ। इसके पश्चात मंचासीन अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। संगठन के संरक्षक माताफेर शर्मा ने संगठन की विचारधारा, उद्देश्य एवं सामाजिक दायित्वों पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण 28 जून 2026 को लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय संस्था ऱ्हीं द्वारा 'नेशनल सोशल इम्पैक्ट अवार्ड' से सम्मानित समाज के सात विभूतियों का सम्मान समारोह रहा। सभी सम्मानित अतिथियों को प्रशस्ति-पत्र एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में भदोही से कैलाश शर्मा, जौनपुर से नंदवंशी शैलेंद्र शर्मा, अमेठी से श्रीकांत शर्मा व घनश्याम शर्मा तथा सुलतानपुर से दीपक शर्मा शामिल रहे। कार्यक्रम में विशेष आकर्षण आगरा निवासी वासु सेन (वासु राइडर) की प्रेरक उपस्थिति रही, जो लगभग 55 प्रतिशत दिव्यांग होने के बावजूद पर्यावरण संरक्षण एवं दिव्यांगजन जागरूकता का संदेश लेकर साइकिल से भारत भ्रमण कर रहे हैं। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन से उपस्थित जनसमुदाय में उत्साह एवं सामाजिक एकता का संदेश प्रसारित किया। सम्मेलन के दौरान संगठन के विस्तार के अंतर्गत जिला, तहसील एवं ब्लॉक स्तर पर विभिन्न पदाधिकारियों का मनोनयन करते हुए उन्हें मनोनयन-पत्र प्रदान किए गए। नवनियुक्त पदाधिकारियों में एडवोकेट राहुल शर्मा सहित अनेक समाजसेवी शामिल रहे। सम्मेलन का समापन अध्यक्ष राम चन्द्र शर्मा एवं संचालक उदय राज शर्मा द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की शपथ दिलाए जाने के साथ हुआ। अंत में स्वल्पाहार के उपरांत सभी अतिथि एवं पदाधिकारी संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लेकर अपने-अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान कर गए।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में एडवोकेट राहुल शर्मा, माताफेर शर्मा, अवध बिहारी शर्मा,

हीरालाल शर्मा, रामसेवक शर्मा, मनीष शर्मा, रंजीत कुमार शर्मा, शिवदयाल शर्मा, कैलाश शर्मा, विजय कुमार शर्मा, मोहम्मद मुस्तफा आजाद, छेदीलाल शर्मा, अशर्फीलाल शर्मा, विनय कुमार शर्मा, रामनरेश शर्मा, एडवोकेट अनिल शर्मा, बृजेश शर्मा, राहुल शर्मा, सुनील कुमार शर्मा, हरीराम शर्मा, रामसमुझ शर्मा, दीपू बरनवाल, राजेश कुमार शर्मा, अमृतलाल शर्मा, राम लोटन शर्मा, राम निहोर शर्मा, रामकुमार शर्मा, शिवम शर्मा, विवेक शर्मा, शीतला प्रसाद शर्मा, अमित कुमार शर्मा, अरविंद कुमार शर्मा, अशोक कुमार शर्मा, सचिन शर्मा, मनोज कुमार शर्मा, सुंदरम शर्मा, श्रीकांत शर्मा, घनश्याम शर्मा, रामचंद्र शर्मा, मनीष शर्मा, श्यामलाल शर्मा, राज नारायण शर्मा, दीपक शर्मा, पिंटू शर्मा, शीतल शर्मा, मनोज कुमार शर्मा, रामसमुझ शर्मा, राम मनोहर शर्मा, संतोष कुमार शर्मा, कुशाग्र शर्मा, राम सेवक शर्मा आदि अन्य कई लोग उपस्थित रहे।अतिथियों में विधानसभा अध्यक्ष समाजवादी पार्टी डॉक्टर राम बहादुर पटेल उपस्थिति बनी रही।

Gem of आधुनिक समाचार 2026

अंजना शुक्ला-समाजसेविका । लायंस क्लब इलाहाबाद इंटरनेशनल (एंजिल्स)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। श्रीमती अंजना

शुक्ला समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। स्वास्थ्य सेवा के अंतर्गत उन्होंने कल्विन हॉस्पिटल में तीन स्टील मल्टी-सीटर बेंच भेंट कर मरीजों एवं उनके परिजनों को महत्वपूर्ण सुविधा प्रदान की। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में झूसी क्षेत्र में आठ ट्री गार्ड स्थापित कर हरियाली को बढ़ावा देने का सराहनीय प्रयास किया। साथ ही, 'आज के बच्चे कल का भविष्य हैं' की भावना के साथ प्राथमिक विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं स्लम क्षेत्र के बच्चों को पूरे वर्ष स्नैक्स एवं स्टेशनरी उपलब्ध कराकर उनके उज्ज्वल भविष्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इनकी सामाजिक सेवा, समर्पण और मानवीय संवेदनाओं को सम्मानित करते हुए आज इन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान से अलंकृत किया जा रहा है।

प्रयागराज के नए पुलिस कमिश्नर बने पीयूष मोर्डिया, जोगेंद्र कुमार को आईजी पीटीएस मुरादाबाद की जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शासन ने पुलिस महकमे में बड़ा

प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 15 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। इसी क्रम में वाराणसी जोन के एडीजी रहे Piyush Mordia पीयूष मोर्डिया को प्रयागराज का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। वहीं प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर रहे जोगेंद्र कुमार को पुलिस ट्रेनिंग स्कूल (पीटीएस), मुरादाबाद का पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) बनाया गया है। यह फेरबदल 28 जुलाई 2026 को सामने आया। पीयूष मोर्डियाः 1998 बैच के वरिष्ठ आईपीएस, वाराणसी जोन के एडीजी से प्रयागराज सीपी.उत्तर प्रदेश पुलिस के आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक पीयूष मोर्डिया 1998 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (IPS) अधिकारी हैं। वह मूल रूप से अजमेर, राजस्थान से हैं। उनकी शैक्षणिक योग्यता mW B.Sc., MBA, Master of Public Administration, S}S}yeer Meeefce) nQ Deewj ken Harvard Mason Fellow भी रहे हैं। प्रयागराज की जिम्मेदारी मिलने से पहले वह एडीजी, वाराणसी जोन के पद पर तैनात थे। मोर्डिया वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के रूप में विभिन्न जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। उनके करियर में संवेदनशील क्षेत्रों में काम करने का अनुभव भी रहा है। अब प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट की कानून-व्यवस्था और पुलिस प्रशासन की कमान उनके हाथों में होगी। जोगेंद्र कुमारः प्रयागराज से अब पीटीएस मुरादाबाद में आईजी जोगेंद्र कुमार 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार वह मूल रूप से बाड़मेर, राजस्थान से हैं और उन्होंने राजनीति विज्ञान में एमए किया है। प्रयागराज में पुलिस कमिश्नर के रूप में जिम्मेदारी संभालने के बाद अब शासन ने उन्हें आईजी, पीटीएस मुरादाबाद नियुक्त किया है। उत्तर प्रदेश पुलिस की वर्तमान सूची में भी उनकी पोस्टिंग आईजी पीटीएस के रूप में 28 जुलाई 2026 से दर्ज है। उत्तर प्रदेश पुलिस के ट्रेनिंग डायरेक्टरेट की आधिकारिक सूची में भी जोगेंद्र कुमार का नाम IG/PTS, Moradabad के रूप में दर्ज है। नई जिम्मेदारी में उनकी भूमिका पुलिस प्रशिक्षण व्यवस्था से जुड़ी होगी। इस प्रशासनिक फेरबदल के साथ प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट को नया नेतृत्व मिला है। पीयूष मोर्डिया के सामने कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और बड़े धार्मिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां रहेंगी।

व्यापारी नेता ने जिला व्यापार बंधु समिति की बैठक में भदरी रेलवे स्टेशन पर अंडर पास बनवाने की उठाई मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रदेश की सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक माह

जिलाधिकारी के अध्यक्षता में संगम सभागार में होने वाली जिला व्यापार बंधु समिति की बैठक में व्यापारियों द्वारा अपने अपने क्षेत्रों की समस्याओं को रखने के लिए एक बैठक आयोजित की जाती है । प्रयागराज के कई संगठनों के व्यापारी उपस्थित रहते है। इसी क्रम में बीते मंगलवार को भी संगम सभागार में व्यापारी बंधु समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें उ प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल प्रयागराज के जिला उपाध्यक्ष धीरेन्द्र केसरवानी ने जिलाधिकारी के समक्ष क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं जैसे भदरी रेलवे स्टेशन पर अंडर पास बनवाने को लेकर मुखरता के साथ चर्चा की और एक ज्ञापन भी सौंपा साथ ही साथ जल निगम द्वारा हर घर जल मिशन द्वारा ग्राम सभा में पूरी तरह से पानी की सप्लाई चालू करने, व उसरही ग्राम सभा में पानी टंकी का निर्माण करवाने, व श्रावण माह में कावड़िये को कोई परेशानी न हो इसके लिए अविलंब बंद पड़ी लाईटों को जलवाने, तथा बीते पांच माह पूर्व से ही रुके ठाकुरद्वारा मंदिर से संकल्प स्कूल तक सड़क निर्माण न होने , सड़क के बीच में बने बंद डिवाइडरों को खुलवाने को लेकर भी जिलाधिकारी महोदय से बात की और ज्ञापन भी दिया । जिस पर जिलाधिकारी महोदय ने तुरंत सक्षम अधिकारियों को बुलाकर व्यापारी नेता धीरेंद्र केसरवानी व अन्य लोगों से मिलकर क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने की बात कही । तथा डिवाइडर न खुलने की स्थिति पर अधिकारियों से निरीक्षण कर फुट ओवर ब्रिज बनाने की बात कही। तथा कुछ समस्याओं पर जल्द ही कार्य करने की बात कही। इसी तरह से जिला संगठन मंत्री राम नरेश विश्वकर्मा ने लहरा मोड़ के पास सड़क किनारे दोनों ओर खुले नाले को सही करवाने, व मलाक चौधरी के पास बंद पड़ी लाईटों को अविलंब जलवाने की बात जिलाधिकारी महोदय से कही। बैठक में नवागंज के संयुक्त आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष आशीष जायसवाल द्वारा भी कुछ समस्याओं को जिलाधिकारी महोदय के समक्ष उठाया गया और जल्द कार्यवाही की मांग की गई। बैठक में तहसील क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए जिलाधिकारी महोदय ने तहसील स्तर उपजिलाधिकारी सोराम से प्रत्येक माह व्यापारियों की एक बैठक कराने का निर्देश भी दिया जिसका सभी व्यापारियों ने स्वागत किया । इसी तरह झूंसी, प्रयागराज, फाफामऊ सहित कई स्थानों के व्यापारियों ने अपनी अपनी समस्याओं को बताया जिस पर जल्द समस्याओं को हल करने की बात कही। बैठक में रंजीत केसरवानी जिला उपाध्यक्ष प्रयागराज व्यापार मंडल, अमन केसरवानी अध्यक्ष सहसो बाजार, अवधेश केसरवानी कोषाध्यक्ष नवाबगंज , स्वाति निरखि , सुशांत केसरवानी अध्यक्ष प्रयागराज, सहित बाजार के कई व्यापारीगण व अधिकारी गण उपस्थित रहे।

थाना कोन पुलिस द्वारा न्यायालय से वांछित तीन वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक

सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री अनिल कुमार के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री प्रभात राय के कुशल पर्यवेक्षण में थाना कोन पुलिस द्वारा न्यायालय से निर्गत वारंटों का प्रभावी अनुपालन करते हुए 03 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। थाना कोन पुलिस टीम द्वारा मुकदमा संख्या 1211/2020, धारा 323/504 भादवि से संबंधित वारंटी अभियुक्त-1. इन्दल कुमार उर्फ इन्द्र पुत्र गौरीशंकर, निवासी ग्राम खरौंधी, थाना कोन, जनपद सोनभद्र। 2. गौरीशंकर पुत्र स्व0 रामचरित्र, निवासी ग्राम खरौंधी, थाना कोन, जनपद सोनभद्र। तथा मुकदमा संख्या 466/1995, धारा 323 भादवि से संबंधित वारंटी अभियुक्त-3. अल्ताफ रजा पुत्र स्व. तौफीक, निवासी कस्बा कोन, थाना कोन, जनपद सोनभद्र। को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सभी वारंटी अभियुक्तों को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाने हेतु रवाना किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1. प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्र, थाना कोन जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 त्रिभुवन नारायण सिंह थाना कोन जनपद सोनभद्र। 3. उ0नि0 हंसनाथ यादव थाना कोन जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 सुरेन्द्र चौहान थाना कोन जनपद सोनभद्र। 5. हे0का0 रामप्रवेश कुशवाहा थाना कोन जनपद सोनभद्र।

सावन और कांवड़ यात्रा को लेकर डीसीपीसी यूथ टीम की बैठक संपन्न, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन पर रहेगा विशेष जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/नैनी। आगामी पावन सावन माह और कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और

सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए नैनी में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक पुलिस प्रशासन के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में, जिला अपराध निरोधक समिति (यमुनानगर) यूथ टीम के कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा ने की। सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियंत्रण पर मुख्य फोकस-बैठक के दौरान कांवड़ यात्रा के मार्ग और प्रमुख शिवालयों में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करते हुए निम्नलिखित रणनीतियों पर जोर दिया गयाः भीड़ प्रबंधनः सावन के दौरान मंदिरों और मेलों में उमड़ने वाली भारी भीड़ को नियंत्रित करना। प्रशासन का सहयोगः संवेदनशील इलाकों में पुलिस प्रशासन और आम जनता के बीच समन्वय स्थापित करना। यातायात नियंत्रणः कांवड़ मार्ग पर सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने में मदद करना। निस्वार्थ सेवा के लिए आभार यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा ने सभी सदस्यों की सेवा भावना की सराहना की। उन्होंने कांवड़ यात्रा और सावन के मेलो में टीम के सदस्यों द्वारा दी जाने वाली निस्वार्थ सेवाओं को देखते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान यमुनानगर यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा,रमेश लाल श्रीवास्तव,विमल सक्सेना, संदीप चंद्र श्रीवास्तव, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद अरशद, तौसीफ खान, नीरज मिश्रा, शिव प्रताप सिंह, समीर खान आदि सदस्यगण सम्मिलित हुए।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भगवान घनश्याम दाऊ महाराज की भव्य पूजा-अर्चना संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मेंहर। की ग्राम पंचायत

कुटिलगवा में यादव समाज के आराध्य भगवान घनश्याम दाऊ महाराज की परंपरागत पूजा-अर्चना गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बड़े श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुई। वर्षों से चली आ रही इस पावन परंपरा में लगभग 20 से 25 गांवों के यादव समाज के श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पूजा-अर्चना की तथा विशाल भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के जिला अध्यक्ष रामबकश यादव, जिला उपाध्यक्ष भोला प्रसाद यादव,शहर अध्यक्ष निलेश यादव, जिला मीडिया प्रभारी दिनेश यादव, वरिष्ठ रामकिंकर यादव, बृजमोहन यादव, सुकरू यादव, उदय यादव, फूलचंद यादव, पाल यादव, कमल प्रसाद यादव, फुल प्रसाद यादव, रमेश यादव, अशोक लाल यादव, इंद्रपाल यादव, राम भगत यादव सहित यादव समाज के अनेक वरिष्ठजन एवं युवा साथी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। भगवान घनश्याम दाऊ महाराज से यही प्रार्थना है कि समस्त समाज पर उनकी कृपा बनी रहे तथा समाज में एकता, सद्भाव और समृद्धि निरंतर बढ़ती रहे।

आईटीआई परीक्षा केंद्र पर एसटीएफ का छापा, पांच सॉल्वर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने

आईटीआई परीक्षा केंद्र पर छापेमारी कर दूसरे अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा दे रहे पांच सॉल्वरों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि परीक्षा में संगठित तरीके से नकल और फर्जी अभ्यर्थियों के माध्यम से परीक्षा दिलाने का रैकेट संचालित किया जा रहा था। मामले में परीक्षा केंद्र के प्रबंधन और प्रधानाचार्य की भूमिका भी जांच के दायरे में है। एसटीएफ ने मौके से महत्वपूर्ण दस्तावेज और अन्य साक्ष्य कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है, ताकि इसमें शामिल अन्य लोगों की भी पहचान की जा सके। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों पर सख्त निगरानी जारी रहेगी।

समोगर नाथ महादेवः नैनी की आस्था और इतिहास का जीवंत प्रतीक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जनपद के नैनी क्षेत्र

स्थित समोगर गाँव में विराजमान समोगर नाथ महादेव मंदिर स्थानीय जनमानस की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। ग्रामीण परंपराओं के अनुसार यह प्राचीन शिवधाम कई पीढ़ियों से श्रद्धालुओं की आस्था का आधार रहा है। सावन मास, महाशिवरात्रि तथा अन्य धार्मिक अवसरों पर यहाँ दूर-दूर से श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुँचते हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार समोगर नाथ महादेव मंदिर का इतिहास कई शताब्दियों पुराना है। गाँव के बुजुर्ग बताते हैं कि इस स्थान पर प्राचीन काल से शिवलिंग की पूजा होती रही है। समय-समय पर स्थानीय ग्रामीणों और भक्तों ने मंदिर के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया, जिससे इसकी धार्मिक परंपरा आज भी निरंतर बनी हुई है। प्रयागराज को तीर्थराज की उपाधि प्राप्त है और यहाँ के अनेक प्राचीन मंदिर धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण अंग हैं। समोगर नाथ महादेव मंदिर भी इसी विरासत की एक कड़ी है, जहाँ श्रद्धा के साथ-साथ स्थानीय इतिहास और लोकपरंपराओं की झलक देखने को मिलती है। सावन के दौरान मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन तथा धार्मिक आयोजनों का आयोजन किया जाता है। इन अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना करते हैं। मंदिर परिसर सामाजिक और सांस्कृतिक मेल-मिलाप का भी महत्वपूर्ण केंद्र बन जाता है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि समोगर नाथ महादेव मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। यदि इस मंदिर के इतिहास, प्राचीन अभिलेखों तथा लोककथाओं का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, तो यह प्रयागराज की ऐतिहासिक धरोहर के अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

एचपीवी टीकाकरण अभियान में उत्कृष्ट योगदान हेतु महामहिम राज्यपाल महोदया द्वारा सोनभद्र पुलिस को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में

टीकाकरण कराया गया। अभियान को सफल बनाने में पुलिस परिवार की पात्र बालिकाओं सहित अन्य किशोरियों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से संचालित एचपीवी (एचपीवी) टीकाकरण अभियान के सफल क्रियान्वयन में सोनभद्र पुलिस द्वारा किए गए उत्कृष्ट सहयोग एवं सराहनीय योगदान के लिए महामहिम राज्यपाल महोदया द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश स्तर पर संचालित उक्त अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं का सफलतापूर्वक एचपीवी जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आपसी समन्वय, जनजागरूकता एवं प्रभावी कार्ययोजना के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। इसी क्रम में जनपद सोनभद्र में भी एचपीवी टीकाकरण अभियान को सफल बनाने हेतु सोनभद्र पुलिस द्वारा स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए सराहनीय योगदान दिया गया। पुलिस लाइन चुर्क, सोनभद्र में एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बालिकाओं का टीकाकरण कराया गया। सोनभद्र पुलिस द्वारा अभियान के सफल संचालन, जागरूकता प्रसार एवं आवश्यक व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया। इस उत्कृष्ट कार्य एवं जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए महामहिम राज्यपाल महोदया द्वारा सोनभद्र पुलिस को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान जनपद पुलिस की जनकल्याण एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

सम्राट किराना एण्ड जनरल स्टोर, घूरमा मोड़ मारकुण्डी, चोपन, सोनभद्र से खुली हल्दी का नमूना संग्रहित करते हुए शेष बोरी के हल्दी को सीज किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी सोनभद्र के आदेश के अनुपालन में सहायक आयुक्त (खाद्य)-II, सोनभद्र के निर्देश के अनुपालन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी, श्री प्रमोद कुमार यादव दिनांक 28.07.2026 को घूरमा मोड़ मारकुण्डी, चोपन, सोनभद्र स्थित दुकान मे0 सम्राट किराना एण्ड जनरल स्टोर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थ हल्दी पाउडर एक खुले बोरे में मात्रा (8 किलो 500 ग्राम) मानव उपभाग हेतु भण्डारित पाया गया। खुली अवस्था में हल्दी पाउडर बिक्री किये जाने पर एवं मिलावट का सन्देह होने पर उनके द्वारा

खाद्य पदार्थ हल्दी पाउडर का विधिक नमूना नियमानुसार संग्रहित करके जॉच हेतु खाद्य विश्लेषक को भेजा गया तथा मौके पर शेष हल्दी पाउडर मात्रा (7 किलो 300 ग्राम) को नियमानुसार सीज किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 1241.00 रूपये है। खाद्य विश्लेषक की रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत नियमानुसार आवश्यक अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

संचारी एवं दस्तक अभियान के तहत जनपद में साफ-सफाई, जागरूकता एवं रोग नियंत्रण गतिविधियां तेज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक

अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं अन्य संबंधित विभागों द्वारा व्यापक स्तर पर कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत गांवों में साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई, हैंडपंपों का क्लोरीनीकरण, नालियों की सफाई, फॉगिंग तथा संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए लगातार गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देशन में उच्च जोखिम वाले गांवों में माइक्रोप्लान के अनुसार विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में सफाईकर्मी, पंचायत सहायक, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री एवं ग्राम प्रधानों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही ग्रामीणों को संक्रामक रोगों से बचाव, स्वच्छता अपनाने तथा लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में जागरूकता रैलियां, ग्राम सभाओं का आयोजन, ग्राम स्तर पर प्रचार-प्रसार, झाड़ियों की कटाई, नालियों की सफाई, शौचालय निर्माण, फॉगिंग तथा मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। वहीं दस्तक अभियान के तहत बुखार, आईएलआई, टीबी, डायरिया एवं अन्य संक्रामक रोगों के संभावित मरीजों की पहचान कर आवश्यक जांच एवं उपचार की कार्यवाही भी जारी है।

माननीय उच्च न्यायालय निर्देशानुसार राजकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) मीरजापुर का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के पत्रांकः 1347/JJC/2026, लखनऊ दिनांकितः 13.02.2026 के निर्देशानुसार एवं श्री राम सुलीन

सिंह माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायालय सोनभद्र के आदेशानुसार दिनांकः 29.07.2026 को समिति के सदस्यगण श्री ओमकार शुक्ला, अपर जनपद न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) एवं श्री राहुल, सिविल जज, सी0डि0/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद सोनभद्र द्वारा राजकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) मीरजापुर का निरीक्षण तथा बाल सम्प्रेक्षण गृह, मिर्जापुर में बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएँ और उनके संरक्षण हेतु योजना प्ली बार्गेनिंग, शिक्षा का अधिकार, नशा उन्मूलन, सम्प्रेक्षण गृह में निरूद्ध किशोरों के कौशल विकास हेतु चलायी जा रही योजनाओं बालकों से सम्बन्धित नालसा स्कीम के संबंध में प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जनपद सोनभद्र में राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) संचालित नही है, अतः जनपद सोनभद्र से संबंधित विधि के विरूद्ध में बालक जनपद मीरजापुर में स्थित राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) में आवासित किये जाते है। निरीक्षण के दौरान राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) के प्रभारी सहायक अधीक्षक श्री विजय कुमार राय एवं अन्य स्टॉफ उपस्थित रहें। निरीक्षण के दौरान राजकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) मीरजापुर में कुल 76 किशोर आवासित है, जिसमें जनपद सोनभद्र के 23 विधि के विरूद्ध बालक आवासित है। सभी बालकों से उनके मामले एवं समस्याओं के बारे में पूछताछ किया गया। उक्त सभी द्वारा अवगत कराया गया कि उन्हे राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) मीरजापुर में किसी प्रकार की कोई असुविधा नही है, स्वास्थ्य ठीक है तथा खाने पीने का सामान निर्धारित मीनू के अनुसार प्राप्त होता है। उक्त सभी बालकों से किशोर न्याय अधिनियम के तहत चल रही उनकी जाँच की प्रगति के संबध में पूछ-ताछ किया गया तथा उनसे संबंधित मामलों में पैरवी हेतु अधिवक्ता उपलब्ध है अथवा नही इसक संबंध में भी उनसे जानकारी ली गई। प्रभारी सहायक अधीक्षक श्री विजय कुमार रायए सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) मीरजापुर, को निर्देशित किया गया कि राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) मीरजापुर की सफाई आदि की व्यवस्था प्रतिदिन कराना सुनिश्चित करें तथा किशोरों के भोजन आदि की व्यवस्था, उनके पढ़ाई, चिकित्सा, खेलने व मनोरंजन आदि का प्रबन्ध नियमानुसार सुचारू रूप से करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के आदेशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र के निर्देशन में आज दिनांक 29.07.2026 को प्रातः 11:00 बजे असिस्टेंट एल.ए.डी.सी श्री जय प्रकाश एवं पी.एल.वी. भोलानाथ द्वारा आदर्श इण्टरमीडिएट कालेज, राबट्‌र्सगंज-सोनभद्र में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एव स्वालम्बन हेतु ''मिशन शक्ति'' विशेष अभियानand POSCH Act 2013 on Topic 'Sexual Harassment of women on work place' विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान महिला अध्यापिका एवं 150 बालिकाएं उपस्थित रही।

उपस्थित सभी बालिकाओं को तृतीय लिंग का कल्याण, उपभोक्ता अधिकार, नशे व धूम्रपान से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्यों, बजए शिक्ष का अधिकार, नालसा द्वारा चलायी जा रही सभी योजनाओं, महिला सशक्तिकरण और महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित कानून, घरेलू हिंसा, बालिका का जन्म और शिक्षा का अधिकार, कन्या भ्रूण हत्या और बालिका के प्रति भेदभाव, महिला स्वच्छता एवं सैनिटरी नैपकिन से संबंधित जागरूकता तथा स्थायी लोक अदालत एवं मध्यस्थता केन्द्र द्वारा सुलह के माध्यम से अभियान 2.0 के तहत अपने मुकदमें के निस्तारण एवं वैवाहिक विवादों के सुलभ निस्तारण के संबंध में तथा घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005, लैंगिक अपराधों से संरक्षण, कार्यस्थल पर यौन शोषण संबंधी अधिनियम, गर्भ का चिकित्सीय समापन अधिनियम 1971, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, गिरफ्तारी से पूर्व गिरफ्तारी के समय एवं उसके बाद महिलाओं के अधिकार संबंधी प्रावधान व कानून, पूर्वगर्भाधान और प्रसवपूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994 तथा विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत महिलाओं को निःशुल्क विधिक सेवा प्राप्त करने के अधिकार के बारे में उन्हे जागरूक किया गया।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई,अवैध अस्पतालों, क्लीनिकों एवं पैथोलॉजी केन्द्रों के विरुद्ध चला सघन अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित

गौड़ के निर्देशन में जनपद सोनभद्र में अवैध रूप से संचालित निजी अस्पतालों, क्लीनिकों, पैथोलॉजी एवं

कलेक्शन सेंटरों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत बुधवार को मुख्य चिकित्साधिकारी के नेतृत्व में रॉबर्ट्सगंज एवं घोरावल क्षेत्र में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया। निरीक्षण के दौरान मानकों का उल्लंघन एवं बिना वैध अभिलेखों के संचालित संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान कलावती क्लीनिक, घोरावल, विश्वास हॉस्पिटल, हेल्थ केयर हॉस्पिटल तथा सम्राट हॉस्पिटल, घोरावल के ओपीडी एवं ऑपरेशन थियेटर (ओटी) को सीज कर दिया गया। इसके अतिरिक्त गुड हेल्थ हॉस्पिटल के ऑपरेशन थियेटर (ओटी) तथा सीटी हॉस्पिटल के ऑपरेशन थियेटर (ओटी) को भी सीज किया गया। वहीं, धनवंतरी हॉस्पिटल, छपका, आशीर्वाद हॉस्पिटल, छपका, कृष्णा हॉस्पिटल, न्यू यथार्थ हॉस्पिटल, उरमौरा, ओम हॉस्पिटल, उरमौरा तथा ओम हॉस्पिटल एवं सर्जिकल सेंटर, रोडवेज बस स्टैंड, रॉबर्ट्सगंज को कमियों के संबंध में नोटिस जारी करते हुए निर्धारित अवधि में स्पष्टीकरण एवं आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण अभियान के दौरान अवैध रूप से संचालित पैथोलॉजी एवं कलेक्शन सेंटरों की भी जांच की गई। जांच में अनियमितताएं पाए जाने पर न्यू अंशिका पैथोलॉजी, डॉ. लाल पैथोलॉजी (शाहगंज एवं घोरावल) तथा निशान हॉस्पिटल के सामने संचालित पैथोलॉजी, रॉबर्ट्सगंज को सीज कर दिया गया। इसके अतिरिक्त लाइफ लाइन हॉस्पिटल, उरमौरा, रॉबर्ट्सगंज के विरुद्ध भी सीज की कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि जनपद में बिना मानक एवं बिना वैध पंजीकरण के संचालित चिकित्सीय संस्थानों के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने निर्देश दिए हैं कि आमजन के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बिना मानकों एवं नियमों के संचालित अस्पतालों, क्लीनिकों एवं पैथोलॉजी केन्द्रों के विरुद्ध नियमित रूप से अभियान चलाकर कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। आमजन से अपील की गई है कि उपचार हेतु केवल पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त अस्पतालों एवं पैथोलॉजी केन्द्रों का ही चयन करें, जिससे सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित हो सकें।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

वैभव सूर्यवंशी दुनिया के टॉप-50 टी-20 बल्लेबाजों में शामिल, 230 स्थान की छलांग लगाई

शुभमन गिल बने वनडे के नंबर-1 बल्लेबाज

स्पोर्ट डेस्क। आईसीसी की ताजा टी-20 रैंकिंग में भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 230 स्थान की लंबी छलांग लगाई है। सूर्यवंशी 536 रेटिंग पॉइंट्स के साथ दुनिया के 48वें नंबर के बल्लेबाज बन गए हैं। वे पहली बार टॉप-50 में आएं हैं। दूसरी ओर वनडे में भारत के कप्तान शुभमन गिल वर्ल्ड नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं। वनडे में टॉप-4 में तीन भारतीय हैं। विराट कोहली दूसरे और रोहित शर्मा चौथे नंबर पर हैं। जसप्रीत बुमराह नंबर-1 टेस्ट बॉलर बने हुए हैं। सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे दौरे पर 2 फिफ्टी लगाई-सूर्यवंशी ने पिछले सप्ताह जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी-20 सीरीज में तीन मैचों में 50.33 की औसत से 151 रन बनाए। इसी प्रदर्शन की वजह से उनकी रैंकिंग में इतनी लंबी छलांग आई है। सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए थे। ईशान किशन टी-20 में टॉप पर बरकरार-टी-20 बल्लेबाजों की लिस्ट में भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन नंबर-1 स्थान पर काबिज हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद साहिबजादा फरहान (848 पॉइंट्स) से काफी आगे हैं। ईशान ने कोहली और सूर्या को पीछे छोड़ा- रैंकिंग में ईशान किशन 910 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर हैं। ईशान जिम्बाब्वे के खिलाफ हुए दूसरे मैच के बाद 916 रेटिंग अंक तक पहुंचे थे। तब उन्होंने करियर के ऑल टाइम हाइएस्ट टी-20 रेटिंग के मामले में विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ दिया था। विराट ने अपने टी-20 करियर में सबसे ज्यादा 909 और सूर्यकुमार यादव ने 912 अंक जुटाए थे। आईसीसी खिलाड़ियों की रेटिंग सप्ताह में एक ही बार बुधवार को जारी करती है। भारत-जिम्बाब्वे तीसरे टी-20 में ईशान 29 रन ही बना सके थे। इससे उन्हें 6 अंक का नुकसान हुआ और इसलिए ताजा रेटिंग में उनके 910 अंक हैं। टी-20 बॉलर्स रैंकिंग के टॉप-10 में इकलौते भारतीय वरुण- राशिद खान टी-20 इंटरनेशनल गेंदबाजों की रैंकिंग में भी 753 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर हैं। पाकिस्तान के अबरार अहमद 736 पॉइंट्स के साथ दूसरे और इंग्लैंड के आदिल राशिद 710 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर हैं। शुभमन गिल फिर बने वनडे के नंबर-1 बल्लेबाज- वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज खत्म होने के बाद वनडे रैंकिंग के टॉप पोजिशन पर बदलाव हुआ है। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल के मैच न खेलने की वजह से भारत के शुभमन गिल एक बार फिर वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बैटर बन गए हैं। मिचेल इसी साल जनवरी से टॉप स्पॉट पर थे। राशिद खान टॉप वनडे बॉलर बरकरार-वनडे बॉलिंग रैंकिंग में नामीबिया के स्पिनर बर्नार्ड शोल्ट्ज नेपाल और नीदरलैंड के खिलाफ आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 ट्राई-सीरीज में शानदार प्रदर्शन के दम पर 5 स्थान ऊपर चढ़कर 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं अफगानिस्तान के राशिद खान टॉप पर बने हुए हैं।

ग्रीव्स को 21 स्थान का फायदा-वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स ने पाकिस्तान के खिलाफ त्रिनिदाद टेस्ट में इतिहास रचने वाली गेंदबाजी के बाद आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। लगातार पांच विकेट-मेडन ओवर फेंकने वाले ग्रीव्स 21 स्थान ऊपर चढ़कर टेस्ट गेंदबाजों में 48वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

पाकिस्तान के बैटर बाबर आजम 32वां टेस्ट अर्धशतक लगाने के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड टॉप पर बने हुए हैं।

आंखों की रोशनी बढ़ाएं,रेगुलर करें ये 8 आई एक्सरसाइज डाइट में शामिल करें ये हेल्दी चीजें, न करें 8 गलतियां

मौजूदा वक्त में मोबाइल, लैपटॉप और टीवी हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। ये चीजें जिंदगी में इस कदर हावी हो गई हैं कि हम अपनी नींद भी पूरी नहीं कर पाते हैं। इसका सीधा असर आंखों पर पड़ता है। नतीजतन आंखों की रोशनी कम हो रही है। उम्र के साथ नजर कमजोर होना कॉमन है, लेकिन बच्चों और युवाओं में ये समस्या चिंता का विषय है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या

आंखों की रोशनी फिर से बढ़ सकती है। क्या इसका कोई नेचुरल तरीका हो सकता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. दिग्विजय सिंह, कंसल्टेंट, ऑप्थेल्मोलॉजी, धर्मशिला नारायणा सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- उम्र के साथ स्वाभाविक ढंग से आंखों की रोशनी कम होती है। लेकिन क्या उम्र के अलावा खराब लाइफस्टाइल और आदतों से भी आंखों की रोशनी कमजोर हो सकती है? जवाब- एजिंग के अलावा खराब लाइफस्टाइल भी आंखों की रोशनी को प्रभावित करती है। जैसेकि-पोषण की कमी (खासकर विटामिन ए,सी और ओमेगा-3) से नजर कमजोर हो सकती है। लंबे समय तक मोबाइल, कंप्यूटर या टीवी स्क्रीन देखने से आंखों पर तनाव बढ़ता है। नींद पूरी न होने और लगातार आंखों के बहुत थकने से भी नुकसान हो सकता है। स्मोकिंग, धूल-धुएं और तेज रोशनी के संपर्क में रहने से भी आंखों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। कम रोशनी में पढ़ने या बारीक काम करने से नजर कमजोर हो सकती है। अंधेरे कमरे में ब्राइट लाइट वाली स्क्रीन (टीवी, मोबाइल, आईपैड, लैपटॉप) देखने से नजर कमजोर हो सकती है।सवाल- क्या आंखों की रोशनी बढ़ाई भी जा सकती है? जवाब- आंखों की रोशनी पूरी तरह बढ़ाना संभव नहीं है, लेकिन इसे बेहतर किया जा सकता है। हेल्दी और संतुलित डाइट आंखों को सपोर्ट करती है। साथ सही लाइफस्टाइल से आंखों की रोशनी को लंबे समय तक हेल्दी रखा जा सकता है। सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- इसके लिए हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना सबसे जरूरी है, जैसेकि- डाइट में विटामिन, मिनरल से भरपूर चीजें जैसे गाजर, पालक, ब्रॉकली और खट्टे फल शामिल करें।लगातार लंबे समय तक मोबाइल या लैपटॉप देखने से बचें। बीच-बीच में आंखों को आराम दें। धूप में बाहर निकलते समय युवी (अल्ट्रा वॉयलेट) प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस पहनें। ये आंखों को नुकसान से बचाते हैं। नियमित एक्सरसाइज करें और वेट मेंटेन रखें। डायबिटीज कंट्रोल में रखें। समय-समय पर आई-चेकअप करवाते रहें।सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए कौन-सी एक्सरसाइज करनी चाहिए? जवाब- आंखों की एक्सरसाइज करने से आई-मसल्स रिलैक्स होती हैं और तनाव कम होता है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने वालों के लिए नियमित ब्रेक और आई एक्सरसाइज फायदेमंद होती है। पामिंग (आंखों पर हथेली रखकर आराम करना) करने से आंखों को आराम मिलता है और थकान कम होती है। ब्लिंकिंग एक्सरसाइज (जल्दी-जल्दी पलकें झपकाना) से आंखों में नमी बनी रहती है और ड्राईनेस कम होती है। आई-फोकस बदलने की एक्सरसाइज से आंखों की फोकस करने की क्षमता बेहतर होती है।हालांकि, एक्सरसाइज से आंखों की रोशनी पूरी तरह नहीं लौटती, लेकिन आई स्ट्रेन और थकान जरूर कम होती है।सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए हमारी डाइट कैसी होनी चाहिए? जवाब- आई हेल्थ के लिए विटामिन ए,सी, ई जिंक और ओमेगा-3 फैटी एसिड बेहद महत्वपूर्ण हैं। डिटेल पॉइंटर्स से समझें-विटामिन ए रेटिना को स्वस्थ रखता है। इससे विजन क्लियर होता है। एंटीऑक्सिडेंट आंखों को उम्र से जुड़ी समस्याओं से बचाता है।

मात्र 16 साल की उम्र में डायबिटीज और फैटी लिवर,11 फूड ब्रांड्स पर केस

अमेरिकी फूड इंडस्ट्री पर भूख न मिटाने वाले खाने का आरोप

न्यूयॉर्क। 16 साल के ब्राइस मार्टिनेज को जब सीने में तेज दर्द हुआ, तो उसे लगा कि शायद यह अस्थमा का दौरा है। पर स्कूल में जब उसका ब्लड प्रेशर नापा गया, तो आंकड़े देखकर सब सन्न रह गए। ब्राइस को तुरंत इमरजेंसी रूम ले जाया गया। डॉक्टरों ने जब रिपोर्ट देखी तो कड़वी सच्चाई सामने आई... इतनी कम उम्र में ब्राइस को टाइप 2 डायबिटीज और फैटी लीवर जैसी गंभीर बीमारियां हो चुकी थीं। ब्राइस के लिए यह सदमे जैसा था। पर वे हार मानकर नहीं बैठे और अमेरिका के 11 अल्ट्राप्रोसेस्ड फूड दिग्गजों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया, जानिए उनका संघर्ष-ब्राइस को बचपन से मोटापे की समस्या जरूर थी, लेकिन उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि बच्चों को भी बड़ों वाली बीमारियां हो सकती हैं। रिसर्च करने पर ब्राइस को अहसास हुआ कि अमेरिकी बच्चे खराब खाद्य माहौल में जी रहे हैं। उसे बचपन की यादें ताजा हो गईं। सुबह स्कूल भागते समय खाया जाने वाला शुगर से भरा सीरियल (ओट्स, फ्लैक्स) दोपहर में स्कूल कैंटीन का पिज्जा-बर्गर और शाम को माता-पिता के लौटने से पहले माइक्रोवेव में गर्म किया फ्रोजन फूड। उन्हें महसूस होने लगा कि जो पैकेज्ड जूस, चिप्स व इंस्टेंट फूड वे खाते थे, वैज्ञानिक रूप से इस तरह बनाए गए थे कि भूख कभी शांत ही न हो। जिन खाद्य पदार्थों को वह कमजोरी मानते थे, असल में वे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड थे, जिन्हें कंपनियों ने जानबूझकर बच्चों को आदी बनाने के लिए 'डिजाइन' किया था। 18 साल के होते-होते ब्राइस का गुस्सा संकल्प में बदल गया। उन्होंने फैसला किया कि वे इस बीमारी का कसूरवार खुद को मानना बंद करेंगे। उन्होंने अमेरिका की 11 फूड दिग्गज कंपनियों पर केस कर दिया (जिनमें कोका-कोला, पेप्सीको, क्राफ्ट हाइंज व नेस्ले शामिल थीं)। यह अल्ट्राप्रोसेस्ड फूड्स के कारण स्वास्थ्य को हुए नुकसान का इतिहास में पहला व्यक्तिगत केस था। ब्राइस के सामने 959 लाख करोड़ का विशाल फूड और बेवरेज उद्योग था। इसके बाद ऐसे आधा दर्जन केस और सामने आए। इनमें दावा है कि बच्चों को टारगेट से कम उम्र में लंबे वक्त तक चलने वाली बीमारियां पैदा कीं।विशेषज्ञों का मानना है कि ब्राइस का यह कदम 1950 के दशक में तंबाकू कंपनियों के खिलाफ शुरू हुए अभियान जैसा है। तब भी तंबाकू कंपनियों के खिलाफ भी सैकड़ों मामले खारिज हुए थे, पर जो गोपनीय दस्तावेज सामने आए, उन्होंने कंपनियों के झूठ का पर्दाफाश कर दिया। अंततः सरकारों को कड़े नियम बनाने पड़े। 20 साल के ब्राइस रोज इंसुलिन व दवाओं के सहारे हैं। कोर्ट ने शुरुआती केस खारिज कर दिया है। अब वे ऊपरी कोर्ट में अपील कर रहे हैं। उनकी इस पहल से प्रेरित होकर कैलिफोर्निया राज्य ने भी जनता की ओर से इन्हीं 11 कंपनियों पर केस किया है। सिर्फ डायबिटीज पर ही करीब 4.51 लाख करोड़ रु. खर्च बताया गया है। ब्राइस की यह कानूनी जंग राष्ट्रीय आंदोलन बन चुकी है, इस तर्क के साथ कि ये बीमारियां हमारी पसंद का नतीजा नहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मुनाफे का खेल है।

पसीना भी बताता है सेहत का हाल,स्वेटिंग पैटर्न से जानें यह किस हेल्थ कंडीशन का संकेत

कब डॉक्टर को दिखाना जरूरी

नयी दिल्ली। विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से- गर्मियों में पसीना आना कॉमन है। लेकिन क्या आपने कभी ऐसा महसूस किया है कि

तापमान सामान्य है, फिर भी पसीना आ रहा है। पसीने से अजीब सी स्मेल आ रही है। अगर हां, तो ये कॉमन नहीं है। इसका मतलब ये हो सकता है कि हमारा शरीर किसी हेल्थ कंडीशन की ओर इशारा कर रहा है। इंसान के स्वस्थ रहने के लिए पसीना आना जरूरी है, लेकिन कई बार यह सेहत से जुड़े कई अहम संकेत भी देता है। 'साइंस डेली' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, पसीना सालों पहले ही कुछ हेल्थ कंडीशंस के संकेत देने लगता है। स्वेटिंग पैटर्न (पसीने का पैटर्न) से इसका पता लगा सकते हैं। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज समझेंगे कि पसीना क्यों आता है। साथ ही जानेंगे कि- इसका हेल्दी पैरामीटर क्या है? इसकी स्मेल किस बात का संकेत है?सवाल- पसीना क्यों आता है? यह शरीर के लिए क्यों जरूरी है? जवाब- पसीना शरीर का नेचुरल कूलिंग सिस्टम है। जब बॉडी का तापमान बढ़ता है, तो यह पसीने के जरिए खुद को ठंडा करती है। जब पसीना वाष्पित होता है तो शरीर का तापमान कम होता है। ये शरीर से अतिरिक्त गर्मी को कम करता है, जिससे ओवरहीटिंग नहीं होती। एक्सरसाइज, गर्म मौसम,

स्ट्रेस या हॉर्मोनल बदलाव में पसीना ज्यादा आता है, क्योंकि इससे मेटाबॉलिज्म और बॉडी हीट बढ़ती है। अगर पसीने का पैटर्न सामान्य है तो इसका मतलब है कि हार्ट, नर्वस सिस्टम और टेम्परेचर कंट्रोलिंग सिस्टम स्मूदली काम कर रहा है।सवाल- क्या पसीना आने का भी कोई हेल्दी पैरामीटर होता है? क्या ये हेल्थ का मार्कर हो सकता है? जवाब- पसीने की मात्रा हर व्यक्ति में अलग होती है। यह फिटनेस लेवल, जेनेटिक्स और मौसम से प्रभावित होता है। एक्सरसाइज के समय पसीना आना अच्छी कार्डियोवस्कुलर एडाप्टेशन का संकेत हो सकता है। कार्डियोवस्कुलर एडॉप्टेशन का मतलब है, हार्ट और ब्लड वेसल्स शरीर की जरूरतों के अनुसार खुद को एडजस्ट कर रही हैं। बिल्कुल पसीना न आना या बहुत ज्यादा आना (हाइपरहाइड्रोसिस) कभी-कभी नर्व, हॉर्मोन या स्किन प्रॉब्लम्स से जुड़ा हो सकता है। पसीने की गंध या रंग में बदलाव इन्फेक्शन या डिहाइड्रेशन का संकेत दे सकता है। हेल्दी पैरामीटर यह है कि शरीर की जरूरत के अनुसार तापमान संतुलन बना रहे, थकान या चक्कर जैसे लक्षण न हों। सवाल- क्या ज्यादा या कम पसीना आना किसी हेल्थ प्रॉब्लम का संकेत हो सकता है? जवाब- हां, ज्यादा पसीने का मतलब है कि बॉडी की टेम्परेचर कंट्रोल करने की क्षमता प्रभावित हुई है। अगर बिना मेहनत किए ही पसीना आ रहा है तो हॉर्मोन्स या नर्वस सिस्टम से जुड़ी समस्या हो सकती है। वहीं बहुत कम पसीना डिहाइड्रेशन जैसी किसी समस्या का संकेत हो सकता है। सवाल- स्वेटिंग पैटर्न (कब, कितना और कहां) से सेहत के बारे में क्या पता चलता है? जवाब- पसीने का पैटर्न और उसकी स्मेल कई हेल्थ रिस्क का संकेत दे सकती है। अलग-अलग संकेत क्या बताते हैं,सवाल- पसीने का पैटर्न कब किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है? जवाब- पसीना आना सामान्य है और स्वस्थ रहने के लिए जरूरी भी है। हालांकि, कुछ मामलों में यह किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है- अचानक ठंडा-

चिपचिपा पसीना- लो बीपी या हार्ट स्ट्रेस संकेत हो सकता है। बहुत तेज बदबू वाला पसीना- इन्फेक्शन या मेटाबॉलिक बदलाव का संकेत हो सकता है। मेहनत के बिना लगातार पसीना- यह हाइपरहाइड्रोसिस का संकेत हो सकता है। चक्कर, कमजोरी के साथ पसीना- शरीर में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन का संकेत हो सकता है। तेज गर्मी में भी पसीना न होना- कूलिंग फेलियर, अनहाइड्रोसिस का संकेत हो सकता है। रात में अचानक गर्मी के साथ पसीना- क्रॉनिक इन्फेक्शन या हॉर्मोन इश्यू का संकेत हो सकता है। एकदम नया स्वेटिंग पैटर्न- ऐसे में मेडिकल चेकअप जरूरी है। सवाल- क्या हॉर्मोनल बदलाव, थायरॉइड या डायबिटीज के कारण भी स्वेटिंग पैटर्न बदल सकता है? जवाब- हां, हॉर्मोनल बदलाव, थायरॉइड या डायबिटीज तीनों का स्वेटिंग पैटर्न से सीधा कनेक्शन है- हॉर्मोन शरीर के तापमान और मेटाबॉलिज्म को कंट्रोल करते हैं। थायरॉइड ज्यादा एक्टिव होने पर ज्यादा बड़ी हीट बनती है। इससे पसीना बढ़ सकता है। लो थायरॉइड में पसीना कम और स्किन ड्राई लग सकती है। बीमारी जैसे हाइपर-थायरॉइडिज्म में बार-बार पसीना आ सकता है। ब्लड शुगर लो होने पर अचानक पसीना और कंपकंपी हो सकती है। यह कंडीशन डायबिटीज में भी देखी जाती है। प्यूबर्टी या मेनोपॉज में हॉट फ्लैशेज (अचानक गर्मी लगना) के साथ स्वेटिंग हो सकती है। सवाल- क्या स्ट्रेस और एंग्जाइटी के कारण भी पसीने का पैटर्न बदल सकता है? इसके क्या संकेत होते हैं? जवाब- हां, स्ट्रेस के कारण शरीर की हॉर्मोनल एक्टिविटीज बदलती हैं और इससे

पसीने का पैटर्न भी बदल जाता है-स्ट्रेस में सिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम (शरीर का फाइट या फ्लाइट मोड में जाना) एक्टिव होकर पसीना बढ़ाता है। हथेलियों, तलवों और अंडरआर्म में अचानक पसीना आना कॉमन है। सामान्य तापमान में भी पसीना आना एंग्जाइटी ट्रिगर का संकेत हो सकता है। स्ट्रेस बढ़ने पर तेज हार्ट रेट के साथ पसीना हो सकता है। पब्लिक स्पीकिंग या डर की स्थिति में पसीना बढ़ना सामान्य प्रतिक्रिया है। लगातार स्ट्रेस से स्वेटिंग पैटर्न अनियमित हो सकता है।सवाल- हेल्दी स्वेटिंग और बॉडी टेम्परेचर बैलेंस रखने के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- इसके लिए लाइफस्टाइल में कुछ छोटे-छोटे बदलाव करने चाहिए।सवाल- पसीने की स्मेल कम करने और स्किन को हेल्दी रखने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए-रोज नहाते समय अंडरआर्म, पैर और स्किन फोल्ड्स (शरीर के जॉइंट्स के आसपास की स्किन) अच्छी तरह साफ करें। एंटीबैक्टीरियल और स्किन-फ्रेंडली साबुन इस्तेमाल करें। नहाने के बाद थोड़ी देर बॉडी में हवा लगने दें। ढीले और साफ कपड़े पहनें। पसीना होने पर रोज कपड़े बदलें। डाइट में फाइबर, हरी सब्जियां और प्रोबायोटिक फूड शामिल करें। बहुत मीट, प्रोसेस्ड और जंक-फूड कम खाएं। नींबू पानी या हर्बल ड्रिंक लें। इससे बॉडी ओडर कंपाउंड्स नही बनाती है। सवाल- किस तरह का स्वेटिंग पैटर्न दिखने पर डॉक्टर के पास जाना चाहिए? जवाब- इन सभी कंडीसंस में डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है-अगर बिना वजह बहुत ज्यादा या अचानक पसीना हो। अगर पसीने के साथ सीने में दबाव, घबराहट या सांस फूले। अगर बार-बार रात में भीग जाने जैसा पसीना आए। अगर गर्मी या एक्सरसाइज में भी पसीना न आए, शरीर बहुत गर्म लगे। अगर सिर्फ एक साइड या एक हिस्से में असामान्य स्वेटिंग दिखे।अगर पसीने के साथ चक्कर, कमजोरी या बेहोशी महसूस हो।

समझना होगा कि हम मशीनों पर गुस्सा नहीं कर सकते

'डिंग डॉन्ग'.. दरवाजे बाईं ओर खुलेंगे' क्या ये आवाज और इस घोषणा से आप परिचित हैं? जी हां, ये आम तौर पर मेट्रो ट्रेन में सुनाई देती है। इस

शनिवार को जब बेंगलुरु में 'ग्रीन लाइन' मेट्रो सर्विस वेड वाजरहल्ली स्टेशन पर मेट्रो रुकी तो बिल्कुल ऐसी ही घोषणा हुई। यात्रियों ने धैर्य से दरवाजे खुलने का इंतजार किया, क्योंकि ट्रेन के पूरी तरह से रुकने के कुछ सेकंड बाद सिस्टम दरवाजे खोलता है। लेकिन किसी अज्ञात तकनीकी खराबी के कारण मेट्रो के कुछ दरवाजे नहीं खुले। ट्रेन चल पड़ी, जैसे हर स्टॉप के बाद चलती है, बिना यह जाने कि पीछे के डिब्बों में कोई तकनीकी खराबी आ गई है। उतरने को बेताब यात्री स्तब्ध रह गए, उन्होंने वहीं किया, जिसमें वो अच्छे हैं- घबरा गए! इसके बाद कुछ यात्रियों ने दिमाग में खुराफाती विचारों के साथ चीखना शुरू कर दिया और भीड़ भी उनके पीछे हो चली। किसी ने नहीं सोचा कि ये तर्कसंगत है भी या नहीं। और बेंगलुरु भी कोई अलग नहीं था। घबराए यात्री तेजी से भाग कर मेट्रो पायलट (मेट्रो ट्रेन के चालक को पायलट कहा जाता है) के केबिन के पीछे वाले लेडीज कोच में पहुंचे और पायलट केबिन का दरवाजा पीटना शुरू किया, जैसे डरे पायलट ने सोचा कि कुछ भयंकर हुआ है और उसने ब्रेक लगा दिए, जिससे ट्रेन एक निर्जन से स्थान पर जाकर रुक गई। जैसे ही उसने सावधानी से अपने केबिन का गेट खोला, उसके सामने गुस्साए यात्री खड़े थे, जो इस बात का जवाब मांग रहे थे कि क्यों उन्हें पिछले स्टेशन पर नहीं उतरने दिया गया। इसके बाद कुछ मिनटों तक तीखी नोकझोंक हुई। और आप जानते हैं कि जब भीड़ एकत्रित होती है तो कोई एक व्यक्ति तर्कसंगत तरीके से बात नहीं कर सकता। पायलट ने यह समझाने की विफल कोशिश की कि उसे पीछे हुई समस्या के बारे में पता नहीं था और जब यात्री उसके केबिन के दरवाजे को पीटने लगे तो उसने ब्रेक लगाए। चूंकि वह ट्रेन को वापस पीछे नहीं ले जा सकता था, इसलिए पायलट ने सभी यात्रियों से अपने-अपने डिब्बों में लौटने के लिए कहा। पायलट ने यात्रा फिर शुरू की और अगले स्टेशन पर ट्रेन रोक दी। वही आंदोलनरत यात्री तत्काल इकट्ठा हो गए, पायलट के केबिन की ओर भागे और प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर उससे गलती के लिए स्पष्टीकरण मांगने लगे।उनमें से कुछ पिछले स्टेशन पर वापसी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए भी कह रहे थे। लोको पायलट ने पूरा मामला स्टेशन कंट्रोलर को रिपोर्ट किया, जिसने आकर स्थिति संभाली और वापसी की यात्रा में यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने में यथासंभव सहायता की। भारत में अभी 17 शहरों में 17 मेट्रो रेल सिस्टम संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल परिचालन दूरी 939.18 किमी की है। 2025 के अंत तक 18वीं ऐसी सेवा की शुरुआत के साथ ही कुल परिचालन दूरी 1000 किलोमीटर से अधिक हो जाएगी, जिससे हमारा मेट्रो सिस्टम दुनिया का तीसरा सबसे लंबा सिस्टम बन जाएगा। भारत में अर्बन रेल ट्रांजिट सिस्टम का पहला प्रकार उपनगरीय रेल थी, जो 16 अप्रैल 1853 को तत्कालीन बॉम्बे (आज के मुम्बई) में बनी था।कोई यह भी नहीं भूल सकता कि हमारे पास 1873 में कलकत्ता (आज के कोलकाता) में घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली ट्राम सेवा भी थी। आवागमन के मामले में तब से अब तक भारत मशीन और तकनीकी की सहायता से बहुत आगे बढ़ चुका है। विदेशों में ऐसी तकनीकी गड़बड़ियां सामान्य हैं। हाल ही मैंने ऐसी ही एक खराबी न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर देखी। वहां यात्रियों को जब ये बताया गया कि तकनीकी कारणों से एक सेवा कुछ घंटों के लिए अस्थायी रूप से बाधित रहेगी तो सभी यात्री शांति से स्टेशन के बाहर आ गए। फंडा यह है कि आप मशीनों पर नाराज नहीं हो सकते। तकनीकी और ऊर्जा पर चलने वाली मशीनों की दुनिया में गड़बड़ी तो होगी ही, भले ही बार-बार ना हो। हमें धैर्य विकसित करना होगा और सीखना होगा कि ऐसी स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया दें। अन्यथा ये दुनिया हम पर हंसेगी।

थोड़ी-बहुत फिक्र भली, पर ज्यादा चिंता किस काम की?

रोज ऑफिस से निकलने के पहले आप मम्मी को मैसेज करती हो- निकल गई। एक दिन रिक्शे में बैठने के बाद पता चलता है कि फोन ऑफ हो गया है। कोई बात नहीं, मम्मी समझ जाएंगी। लेकिन आप घर में घुसे, तब जाकर मम्मी ने चैन की सांस ली। फोन ऑन किया तो देखा- 12 मिस्ड कॉल। अरे, चिंता तो होती है, न!- मम्मी ने कहा, जैसे कि उनकी चिंता प्रकृति की देन हो। जैसे हम सांस लेते हैं, उसी तरह इस देश में हम 24 घंटे किसी न किसी चिंता में डूबे रहते हैं। बच्चों के एग्जाम- चिंता। घर पर मेहमान- चिंता। कामवाली आज लेट- चिंता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि लव लैंग्वेज यानी कि प्यार जताने के पांच तरीके होते हैं। उन्हें क्या पता हमारे पास एक और तरीका है- चिंता। वैसे शायरों ने भी भले सीधे तरीके से इसका जिक्र नहीं किया हो, लेकिन उनके गाने अगर आप ध्यान से सुनें तो समझ जाएंगे- आंखों ही आंखों में इशारा हो गया, बैठे-बैठे जीने का सहारा हो गया। मतलब? मतलब ये कि बीस साल बाद कोई होगा पूछने वाला- तुमने खाना खाया? दवाई ली? बिजली का बिल भरा? वैसे अंग्रेजी में इसे कहते हैं 'नैगिंग' और कई बार आप चिढ़ के जवाब भी दोगे- बस करो। लेकिन अगर कल ये सवाल बंद हो जाएं तो आपको बुरा भी लगेगा। कि किसी को मेरी पड़ी नहीं है, कोई पूछ नहीं रहा।आज ज्यादातर शादियां इसी पूछ-ताछ के सहारे चल रही हैं। चाहे कोई 'आई लव यू' न कह रहा हो, कम से कम इस विशाल दुनिया में मेरे ब्लड प्रेशर की किसी को तो फिक्र है। वैसे कभी-कभी हंसी भी आती है। प्लेन में जैसे ही अनाउन्स होता है- 'आप मोबाइल का इस्तेमाल कर सकते हो'- आस-पास चार फोन बजेंगे। सवाल है- 'पहुंच गए'? अब फोन बजा है, उठाया है, मतलब पहुंच ही गए होंगे। भगवान न करे, कोई हादसा हो जाए, तो सवाल-जवाब का मौका ही नहीं मिलेगाष्ठ अब यहां तक की चिंता तो चलो, एक तरह से ठीक है। मगर मैंने ऑब्जर्व किया है कि हम में से कई लोगों ने अपनी चिंता का दायरा बहुत बढ़ा दिया है। दुबई में बम- चिंता। स्टॉक माकेट डाउन- चिंता। पॉलिटिक्स में घोटाला- चिंता। इन टॉपिक्स पर चिंता से दुनिया को फर्क ही नहीं पड़ता, लेकिन असर होता है आप पर। सुना होगा आपने 'हॉन्टेड हाउस' के बारे में। जैसे बंगले पर कब्जा करके भूत बेमतलब घूमता है, उसी तरह चिंता। यह एक भूत है, जिसने एक बार आपके दिमाग पर कब्जा कर लिया, तो फिर वो आपको डराता रहेगा। कोई भी सिचुएशन हो, आपको उसमें कुछ नेगेटिव ही दिखाई देगा। मैं यह नहीं कह रही कि आप आंखें मूंद कर बैठिए। दुनिया में जो हो रहा है। उससे वाकिफ होना जरूरी है। लेकिन चिंता के बजाय चिंतन कीजिए। दोनों के बीच बस एक फर्क है- चिंतन करने वाला इंसान डरता नहीं। हालात आपके कंट्रोल में नहीं हैं, लेकिन हालात के प्रति आपका रिस्पॉन्स क्या होगा, यह आपके हाथ में है। आजकल एग्जाम के पहले कुछ बच्चे बीमार पड़ जाते हैं, उल्टियां आने लगती हैं। डॉक्टर मानते हैं इसकी वजह है एंग्जायटी यानी कि घबराहट- जो है चिंता का बड़ा भाई। अजीब बात यह है कि ज्यादातर वो बच्चे घबराते हैं जिन्होंने पढ़ाई करी है, अच्छी तरह से। उनका डर यह है कि नंबर थोड़े कम आए तो क्या होगा? उन्होंने अपने मन में एक लंबी कहानी लिख डाली है कि मेरा एडमिशन सही जगह नहीं होगा, मेरी लाइफ बर्बाद हो जाएगी। भाई, जीवन में सुख और सफलता पाने के एक नहीं, अनेक रास्ते हैं। लेकिन घबराए हुए इंसान को उन रास्तों पर चलने की हिम्मत न होगी। इसलिए पैरेंट्स को मेरी सलाह है, बच्चों को निडरता से जीना सिखाइए। थोड़ी-बहुत चिंता ठीक है, लेकिन अगर वे आपको हर वक्त चिंतित देखेंगे, तो वे भी उस भूत को अपने मन में बसा लेंगे। जो ज्यादा चिंता करता है, कुछ भी करने से डरता है। सोच ही सोच में फंस जाता है, सुख में भी दुःख ही पाता है। जो होना है सो होकर रहेगा, आपकी चिंता से कुछ न बदलेगा। चिंता से चिंतन का सफर तय कीजिए, जीवन अपना आनंदमय कीजिए। हम में से कई लोगों ने अपनी चिंता का दायरा बहुत बढ़ा दिया है। दुबई में बम- चिंता। स्टॉक माकेट डाउन- चिंता। पॉलिटिक्स में घोटाला- चिंता। इन सब पर चिंता से दुनिया को फर्क ही नहीं पड़ता, लेकिन असर होता है आप पर। (ये लेखिका के अपने विचार हैं रश्मि बंसल)

परमात्मा पर जितना भरोसा, संसार से उतने ही कम धोखे

मनुष्य को कर्म नहीं भटकाते, का अर्थ है मैं यह काम कर रहा

कर्म करने का दबाव परेशान नहीं करता, उसे कर्त्ताभाव परेशान करता है। कर्म करने और कर्त्ताभाव में अंतर है। कर्त्ताभाव हूं। ये जो मैं है, यही परेशानी का कारण है। ये सही है कि हम ही कर रहे हैं, पर कर्त्ताभाव के अभाव का अर्थ है कोई एक परम शक्ति है, जो हम से करा रही है, तो हम कर रहे हैं। आजकल हमारे जीवन में सहज ही डिजिटल मीडिया के कारण कई वैद्य-डॉक्टरों की भरमार हो गई है। स्वास्थ्य को लेकर जानकारियों की झड़ी लगी हुई है और हम सब भी कुछ न कुछ करने के लिए इस सबमें उतर जाते हैं। झूठे आश्वासन, अतार्विक ?चिकित्सा, अंधविश्वास से भरी धार्मिक कथाओं, ?फिजूल के किस्सों आदि के लपेटे में न आएं। ये अप्रत्याशित समाधान जो सोशल मीडिया से पेश किए जा रहे हैं, इनके प्रति अतिरिक्त सावधान रहें। परमात्मा पर जितना भरोसा होगा, उतनी सावधानी जीवन में आ जाएगी और संसार से उतने ही धोखे कम मिलेंगे।

बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं

मुझे पता है, आप क्या सोच रहे हैं? दरअसल, ये कहना आसान है और करना मुश्किल। खासकर तब जब कोई व्यक्ति ट्रेन की बोगी में कई

सारी गेंदें और गुड़िया लटकाए घूम रहा है और बार-बार आकर कह रहा है कि कौन मुन्ना रो रहा है? मैं उसे दो सेकंड में खुश कर दूंगा और वह एक रबर की पारदर्शी गेंद रेलवे बर्थ के बीच फेंकता है और गेंद अचानक कई रंगों में चमकने लगती है। और बच्चा कहता है कि 'मुझे वो बॉल चाहिए।' बच्चे को समझाने की कोशिश करें कि यह 48 घंटे से ज्यादा काम नहीं करेगी तो सेल्समैन आप पर टूट पड़ता है कि सर, मैं गारंटी देता हूं कि मुन्ना आपकी वापसी की यात्रा में भी इसी से खेलेगा।मैं हमेशा इसी ट्रेन में रहता हूं। अगली गर्मियों में भी यदि ये गेंद काम नहीं करे आप आकर इसे वापस कर सकते हो। मैं बिना कोई सवाल पूछे इसे बदल दूंगा।' इस बीच आप देखेंगे कि बच्चा पहले ही बॉल से खेलने लग गया है और उसे दूसरी बर्थों पर लुढ़काने लगा है।आपके पास इसे खरीदने के अलावा कोई चारा नहीं रहता। और ऐसी खरीदारी कर चुके आपमें से अधिकांश लोग मुझसे सहमत होंगे कि ऐसी गेंदें एक यात्रा में भी नहीं चल पाती। या तो बच्चा इसे खो देता है या फिर गेंद की वो चमकीली लाइटें बंद हो जाती हैं, जो फर्श पर मारने के बाद बच्चे को आकर्षित करती थीं।ज्यादातर दूसरा वाला कारण अधिक सामान्य है। अब यह बॉल आपके बैग में रखी हुई एसी कार से घर वापसी की यात्रा कर रही है। और घर पर ये बॉल या तो भुला दी गई है या किसी कोने में अव्यवस्थित सी पड़ी है और कुछ समय बाद कूड़ेदान में चली जाती है!अगर आपके घर में बच्चे हैं तो मुझसे यह मत कहिएगा कि आपके घर में ऐसा कुछ नहीं हुआ। यही कारण है कि मैंने इस हैडलाइन के साथ शुरूआत की थी कि बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं। उपहार विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि कैसे उपयोगिता, बच्चे के विकास और खुशी को प्राथमिकता दी जाए। वे ऐसे गिफ्ट की सलाह देते हैं, जो खेल और रचनात्मकता को बढ़ावा दे और प्लास्टिक से बचने की राय देते हैं। यहां उम्र के अनुसार कुछ सुझाव पेश हैं।4 वर्ष उम्र वालों के लिएः हिसार में एक स्कूल चलाने वाले मेरे दोस्त हरिपाल पिलानिया ने मुझे लकड़ी के क्यूब्स दिए, जिनसे बच्चे रूबिक क्यूब बना सकते हैं। यकीन मानें, यह गेम आज भी मेरे घर पर 10 साल से है और जो बच्चे मेरे घर आते हैं, बिना थके इससे खेले हैं, चाहे फिर वह 10 साल के हों।6 वर्ष उम्र वालों के लिएः कैट एंड रैट थीम वाले कार्ड गेम। मैंने इसे अमेरिका से खरीदा था। बच्चे ताश खेलने वाले बड़ों की नकल पसंद करते हैं। अकेली बिल्ली किसी चूहे पर भारी पड़ जाए या चूहों का एक समूह बिल्ली को घेर ले, यह वाकई मजेदार खेल है। यहां तक कि हमारी उम्र के लोग भी इसे खेल सकते हैं। मुझे बताओ कि ' रैट-ए-टैट कैट' जैसे गेम खेलने का किसका मन नहीं करेगा?8 वर्ष उम्र वालों के लिएः कई सारे ऐसे कलरफुल जर्नल्स हैं, जो प्रश्नों से भरे होते हैं, उनमें इलस्ट्रेशन और ड्रॉइंग के लिए संकेत होते हैं- उदाहरण के लिए 'यदि मेरे पास एक रोबोट होता तो मैं इसे प्रोग्राम करने के लिए कहता.(ऐसी चीजें मेरे दिमाग में हैं)10 वर्ष उम्र वालों के लिएः नए बेकर्स और उत्सुक कुक्स के लिए शेफ इन ट्रेनिंग एक गेम है। इसमें मिनी व्हिस्क, स्पेचुला, नापने वाला कप और कई सारी चीजें होती हैं। यह उन्हें अंडे फेंटने और सलाद सजाने जैसे कुछ काम सीखने में मदद करता है।

फंडा यह है कि अलग-अलग उम्र के लिए ऐसा सही उपहार चुनना, जिसे वे संभाल कर रखें और ये आसान काम नहीं है। सबसे पहले हमें खुद को रचनात्मक होना पड़ेगा और उससे अधिक उपयोगिता के बारे में सोचना होगा कि वह गिफ्ट उसे बोर ना करे। यदि आपके पास कुछ सुझाव हैं, तो शेयर करें, ताकि मैं सभी पाठकों को इस बारे में बता सकूं।

अर्थव्यवस्था में सोने का और बेहतर उपयोग कैसे करें?

आज भारतीय परिवारों के पास दुनिया के दस सबसे बड़े केंद्रीय बैंकों- अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, चीन, इटली, स्विट्जरलैंड, जापान, तुर्किये और खुद भारत के स्वर्ण भंडारों से भी अधिक सोना है! भारतीय घरों में लगभग 25,000 टन

सोना रखा हुआ है। यह अमेरिकी सरकार के स्वर्ण भंडार (8,133 टन) का तीन गुना और भारतीय रिजर्व बैंक (879 टन) के स्वर्ण भंडार का लगभग 30 गुना है।आज की कीमतों के हिसाब से भारत के घरेलू सोने की कीमत कितनी होगी? सोने के मूल्य लंबे समय से बढ़ रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण इनमें उछाल आया है। लगभग एक लाख रुपए (1,200 डॉलर) प्रति तोला (10 ग्राम) की वर्तमान कीमत के हिसाब से भारतीय घरों में रखे 25,000 टन सोने का मूल्य लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर ठहरता है। यह भारत की 2025 की जीडीपी 4.19 ट्रिलियन डॉलर का लगभग 75 प्रतिशत है।अनुमान है कि इनमें भी भारतीय महिलाओं के पास ही 24,000 टन से ज्यादा सोना है। यह अमेरिका सहित जर्मनी (3,300 टन), इटली (2,450 टन), फ्रांस (2,400 टन) और रूस (1,900 टन) के केंद्रीय बैंकों के सोने के भंडार से ज्यादा है। ऑक्सफोर्ड गोल्ड ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास दुनिया के कुल सोने का 11 प्रतिशत हिस्सा है।सोने से भारतीयों के इस असीम लगाव की वजह क्या है? इसे एक सुरक्षित और स्थिर निवेश माना जाता है। पिछले 25 वर्षों में ही सोने की कीमत 4,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर लगभग 1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है- यानी 25 वर्षों में 25 गुना वृद्धि। चक्रवृद्धि आधार पर तो सोने का मूल्य प्रति वर्ष लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा है और यह लगभग हर पांच साल में दोगुना हो रहा है।इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 2000 से 2025 के बीच 6,000 से बढ़कर 80,000 से अधिक अंकों तक पहुंचा है- यानी 25 वर्षों में लगभग 14 गुना वृद्धि। यह 12 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) बताता है।लंबी अवधि में सोना इक्विटी से भी बेहतर प्रदर्शन करता है। स्टॉक के विपरीत, सोने की कीमतें कम अस्थिर होती हैं। दुनिया की सबसे रूढ़िवादी निवेशकों में से एक भारतीय महिलाओं को यह बात अच्छी तरह से पता है।सोने ने भारतीय परिवारों को शादियों के लिए पैसे जुटाने और दिवालिया होने से बचाने में मदद की है। लेकिन वित्तीय सुरक्षा के लिए रखे गए एक डेड-एसेट के बजाय भारत की अर्थव्यवस्था में सोने का अधिक प्रोडक्टिव उपयोग कैसे किया जा सकता है?आरबीआई की स्वर्ण निवेश योजना को सीमित सफलता मिली है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का उद्देश्य सोना रखने का विकल्प प्रदान करना है। जैसा कि आरबीआई कहता है, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक बेहतर विकल्प प्रदान करता है। इसमें स्टोरेज का जोखिम और लागत समाप्त हो जाती है।

निवेशकों को मैच्योरिटी के समय सोने के बाजार मूल्य और आवधिक ब्याज का आश्वासन दिया जाता है। आभूषण के रूप में सोने के उपयोग के मामले में भी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड समस्याओं से मुक्त है। लेकिन भारतीयों में भौतिक सोने का आकर्षण इतना प्रबल है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पूरी तरह से लोकप्रिय नहीं हो पाया है।भारत ने 2024-25 में 58.01 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया। तस्करी को कम करने के उद्देश्य से आयात शुल्क में 15 से 6 प्रतिशत की कटौती ने 2023-24 में सोने के आयात को 27 प्रतिशत बढ़ाने में मदद की।2024-25 में भारत का व्यापारिक और सेवा व्यापार में कुल घाटा 94.26 अरब डॉलर था। इसलिए 2024-25 में भारत के आयात में 58.01 अरब डॉलर का सोना भारत के व्यापार घाटे का एक प्रमुख घटक है। वैसे भारत के आयात बिल में सबसे बड़ा घटक कच्चा तेल है, जिसका 2024-25 में 133 अरब डॉलर का योगदान था। सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए।

लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। सोने के प्रति आकर्षण आर्थिक के साथ ही सांस्कृतिक और भावनात्मक भी है।

चूंकि भारतीय महिलाओं के पास 3 ट्रिलियन डॉलर मूल्य का 24,000 टन से अधिक सोना है और पिछले वित्तीय वर्ष में भी उन्होंने 58 अरब डॉलर मूल्य का अनुमानित 600 टन सोना खरीदा है, इसलिए सोने की कीमतों में उछाल बने रहने की संभावना है।सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए।

लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

'चुपचाप भुगतने दो' की कला में आलोचना झेलने का तरीका छिपा है!

सैकड़ों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भरी दुनिया में किसी को भी अपनी राय व्यक्त करने के लिए दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं, लेकिन हर विषय पर अपनी विशेष टिप्पणी देना तो जैसे कई लोगों का शगल बनता जा रहा है। चाहे उन्हें उस क्षेत्र का ज्ञान हो या न हो। वे हर चीज पर टीका-टिप्पणी करते हैं और किसी भी बात को तिल का ताड़ बना सकते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जो अपने अच्छे काम के बावजूद भी लोगों की शिकायतों की बौछार से परेशान हो जाते हैं, तो यह कहानी आपके लिए है।जयपुर में एक महिला हैं, जो एक पेइंग गेस्ट हाउस चलाती हैं। उनका एक पुश्तैनी घर है, जिसमें 10-12 बड़े कमरे हैं। उन्होंने हर कमरे में 3 बिस्तर लगा रखे हैं। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में भोजन भी मिलता है। उन्हें खाना खिलाने का बहुत शौक है। वे बड़े मन से खाना बनाती और खिलाती हैं। उनके यहां इतना शानदार भोजन मिलता है कि कोई बढ़िया से बढ़िया शेफ भी वैसा नहीं बना सकता। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में ज़्यादातर नौकरी करने वाले लोग और छात्र रहते हैं। सुबह का नाश्ता और रात का भोजन तो सभी लोग करते ही हैं। और जिसे ज़रूरत होती है, वे दोपहर का भोजन पैक करके भी देती हैं। लेकिन उनके यहां एक बड़ा अजीब नियम है। हर महीने में सिर्फ 28 दिन ही भोजन बनता है। बाकी 2 या 3 दिन सबको होटल में खाना पड़ता है। ऐसा नहीं है कि आप पेइंग गेस्ट हाउस की रसोई में खुद कुछ बना लें।

रसोई उन 2-3 दिनों के लिए पूरी तरह से बंद रहती है। हर महीने के आखिरी तीन दिन मेस बंद रहता है। सभी को होटल में खाना पड़ता है, और चाय भी बाहर जाकर पीनी होती है।जब किसी ने पूछा कि यह क्या अजीब नियम है? आपकी रसोई केवल 28 दिन ही क्यों चलती है? वे बोलीं, 'शुरू में यह नियम नहीं था। मैं इसी तरह, इतने ही प्यार से खाना बनाती और खिलाती थी। पर उनकी शिकायतें कभी खत्म ही नहीं होती थीं। कभी यह कमी है, कभी वह कमी है- हमेशा असंतुष्ट और आलोचना करते रहते थे। इसलिए तंग आकर मैंने यह 28 दिन वाला नियम बना दिया। 28 दिन प्यार से खिलाओ और बाकी 2-3 दिन बोल दो कि जाओ, बाहर खाओ। उन 3 दिनों में, उन्हें नानी याद आ जाती है। उन्हें आटे-दाल का भाव पता चल जाता है। उन्हें पता चल जाता है कि बाहर कितना महंगा और कितना घटिया खाना मिलता है। दो घूंट चाय भी 15-20 रुपये की मिलती है। उन्हें मेरी कीमत ही इन 3 दिनों में पता चलती है। इसलिए बाकी 28 दिन वे बहुत कायदे में रहते हैं।'यह वाकिया मुझे तब आया, जब मुझे शनिवार की सुबह दैनिक भास्कर के पाठक 70 वर्षीय शारदा और उनके 75 वर्षीय पति सीताराम अग्रवाल का ईमेल मिला। वे रायपुर के तेलीबांधा से हैं। उन्होंने लिखा कि कैसे को ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के समिति सदस्यों की, वहां के रहवासी बिना वजह आलोचना करते हैं। और रहवासी, समिति सदस्यों से ऐसे पेश आते हैं, मानो वे सैलरी पर रखे हुए कोई कर्मचारी हों, जबकि वे लोग तो स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।उन्होंने दुखी होकर बताया कि अमूमन सभी हाउसिंग सोसायटी के यही हाल हैं, जहां अगर कॉलेनी में किसी भी सुविधा में कमी या उसका अभाव दिखता है, तो रहवासी आपे से बाहर हो जाते हैं। सीताराम जी ने मेरे साथ फोन पर बातचीत में बताया कि इससे असंतोष बढ़ता है और अच्छे दिल से काम करने वाले वॉलेंटियर भी सामाजिक कामों से खुद को दूर कर लेते हैं।फंडा यह है कि अगर आप चाहते हैं कि ग्राहक आपकी निष्ठा, प्रतिबद्धता और गुणवत्ता का मूल्य समझें, तो उनकी बात पर कोई प्रतिक्रिया न दें, बस अपनी अनुपस्थिति से उन्हें आपकी प्रतिबद्धता का एहसास कराएं। जब वे चुपचाप भुगतेंगे और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की कमी का अनुभव करेंगे, तभी वे आपका सम्मान करेंगे।

अरबपतियों की संख्या बढ़ना खतरे की घंटी भी हो सकती है

हर साल मैं यह देखने के लिए फोर्ब्स की फेहरिस्त का विश्लेषण करता हूं कि किन देशों में अरबपतियों की सम्पत्ति उनके देश की जीडीपी के ?हिस्से के रूप में बढ़ रही है। या किन देशों में सम्पत्ति अरबपतियों के पारिवारिक साम्राज्य में केंद्रित होकर रह जा रही है या उन बुरे उद्योगों में तब्दील हो रही है, जो उत्पादकता से अधिक भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। जिन देशों में इस तरह के मामले सबसे ज्यादा मिलते हैं, वहां पूंजीवाद-विरोधी विद्रोहों का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। इस साल चेतावनियों के संकेत स्वीडन की ओर इशारा कर रहे हैं। भले ही कई प्रगतिशील लोग स्वीडन को एक समाजवादी-स्वर्ग के तौर पर देखते हों, लेकिन वहां अरबपतियों की संपत्ति जीडीपी के 31प्रतिशत तक हो गई है। यह 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। आज स्वीडन में 45 अरबपति हैं, जो अमेरिका से प्रति व्यक्ति पैमाने पर डेढ़ गुना अधिक हैं। अब तक के सबसे धनी अमेरिकी जॉन डी. रॉकफेलर हैं, जिनकी सम्पत्ति 1910 के आसपास जीडीपी की 1.5प्रतिशत से अधिक थी। आज किसी अमेरिकी के पास इतनी दौलत नहीं। आज के रॉकफेलर स्वीडन में हैं, जिनमें से सात की सम्पत्ति जीडीपी के हिस्से में रॉकफेलर से अधिक है। एक कार्यशील अर्थव्यवस्था से अरबपतियों की संतुलित श्रेणी निर्मित होती है, जिसमें रियल एस्टेट और कमोडिटी जैसे सेक्टरों की 'बैड वेल्थ' की तुलना में टेक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योगों की 'गुड वेल्थ' अधिक होती है। ऐसा नहीं है कि रियल एस्टेट और कमोडिटी सेक्टर खराब हैं। लेकिन कार या सॉफ्टवेयर जैसे सेक्टरों की तुलना में उत्पादकता में उनका कम योगदान होता है। लेकिन स्वीडन में आज 'गुड बिलियनेअर्स' की संख्या 'बैड बिलियनेअर्स' की तुलना में आधी रह गई है। स्वीडन भले ही टेक-उद्यमियों के लिए बेहतर स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हो, लेकिन इनमें से तीन ही फोर्ब्स की सूची में जगह पा सके हैं। अरबपतियों की सम्पत्ति में 'गुड वेल्थ' का हिस्सा महज 12प्रतिशत है, जो शीर्ष 10 विकसित देशों की सूची में तीसरा सबसे निम्नतम है। स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अनियंत्रित वेलफेयर-स्टेटिज्म के अपने प्रयोग की विफलता के बाद वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना शुरू किया। भारी करों के चलते वहां की मशहूर हस्तियां और उद्योगपति पलायन करने लगे। 1990 के दशक की शुरुआत में आए वित्तीय संकटों ने स्वीडन को समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उसने उच्च आय करों से भुगतान की जाने वाली मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को समाप्त नहीं किया। लेकिन धन, विरासत, निगमों और अचल संपत्ति पर करों को समाप्त या कम करते हुए कल्याणकारी राज्य का आकार छोटा कर दिया।2000 के दशक का मध्य आते-आते वहां के सुपर-रिच पलायन नहीं कर रहे थे। उलटे वे हावी हो गए थे। स्वीडन के अरबपतियों की लगभग 70प्रतिशत संपत्ति विरासत (इनहेरिटेंस) से आती है, जो फ्रांस और जर्मनी के बाद तीसरी सबसे अधिक है। स्वीडन हाल के वर्षों में अरबपतियों की संख्या में उछाल देखने वाला एकमात्र बड़ा कल्याणकारी राज्य नहीं है। फ्रांस में भी ऐसा हुआ है। लेकिन दोनों में विशेष असंतुलन है। स्वीडन में विकृत कर और ईजी-मनी (आसानी से मिलने वाला कर्ज) है। वह वेतन की तुलना में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है, और कभी-कभी पूंजी पर प्रतिगामी कर लगाता है। स्वीडन ने ब्याज दरों को यूरोपीय औसत से भी नीचे रखा है। कम दरों से संपत्ति की कीमतें बढ़ती हैं, जबकि अमीरों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए पैसे उधार लेना आसान हो जाता है।

बने बिना ही बिक रहा अमेरिका का स्टेडियम,2030 में शुरू होगा स्टेडियम

न्यूयॉर्क। अमेरिका के चार्लोट शहर में एक ऐसा स्टेडियम है, जिसकी नई सीटें कैरोलिना पैंथर्स और एमएलएस क्लब शार्लोट एफसी के लिए कॉरपोरेट बॉक्स, प्रीमियम सीटें न देखें, बल्कि उन्हें महसूस भी कर सकें। अगर कोई ग्राहक वहीं खरीदारी का फैसला करता

अभी लगी नहीं हैं, नई दीवारें बनी नहीं हैं और निर्माण का बड़ा काम 2027 में शुरू होगा। इसके बावजूद वहां अभी से स्टेडियम की सबसे महंगे सूइट और प्रीमियम सीटें बेची जा रही हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि खरीदारों को असली स्टेडियम नहीं, बल्कि उसका भविष्य दिखाया जा रहा है। बैंक ऑफ अमेरिका स्टेडियम के लिए लगभग 12 हजार 500 करोड़ रुपए के नवीनीकरण प्रोजेक्ट के तहत टेपर स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट ने एक नया एक्सपीरियंस सेंटर शुरू किया है। कंपनी का दावा है कि यह खेल जगत का सबसे आधुनिक प्रीव्यू सेंटर है। इसका मकसद निर्माण पूरा होने का इंतजार किए बिना स्टेडियम के प्रीमियम हिस्सों की बिक्री शुरू करना है। करीब 16 हजार वर्गफुट में बना यह सेंटर स्टेडियम के सामने हनीवेल के ग्लोबल मुख्यालय के ग्राउंड फ्लोर पर बनाया गया है। यह 2030 तक खुला रहेगा। इसी जगह से एनएफएल टीम और हॉस्पिटैलिटी पैकेज बेचे जाएंगे। सेंटर में प्रवेश करते ही डिजिटल लॉकर दिखाई देते हैं। इनमें स्टेडियम के पुराने यादगार पलों को डिजिटल तरीके से दिखाया जाता है। इसके बाद एक बड़ा वीडियो थिएटर आता है, जहां स्टेडियम के भविष्य की झलक दिखाई जाती है। अगले कमरे में 85 लोगों के होलोग्राम संदेश हैं। इनमें पूर्व खिलाड़ियों से लेकर एनएफएल कमिश्नर रोजर गुडेल तक शामिल हैं, जो इस स्टेडियम की अहमियत बताते हैं। इसके बाद खरीदार एक ऐसे डिजिटल कमरे में पहुंचते हैं, जहां बिना निर्माण पूरा हुए नए स्टेडियम का वर्चुअल अनुभव मिलता है। बड़ी इंटरैक्टिव स्क्रीन पर यह भी दिखाया जाता है कि खरीदार कहां पार्किंग करेगा, किस गेट से अंदर जाएगा और उसकी सीट या सूइट कहां होगी। यहां प्रीमियम सीटों, प्रेस क्लब बार और लग्जरी सूइट की वास्तविक प्रतिकृतियां भी बनाई गई हैं ताकि ग्राहक सिर्फ तस्वीरें है तो उसके लिए तुरंत लेजर प्रिंटेड सूइट की-कार्ड तैयार कर दिया जाता है। यानी सौदा उसी समय पूरा हो सकता है। स्टेडियम की उम्र अब 30 साल हो चुकी है। इसी वजह से इसका नवीनीकरण किया जा रहा है। पहले घोषित बजट के अलावा टेपर स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट ने इसमें लगभग 5000 करोड़ का अतिरिक्त निवेश भी जोड़ा है। दर्शकों से जुड़े निर्माण कार्य 2027 में शुरू होंगे। खेल उद्योग में अब ऐसे सेल्स प्रीव्यू सेंटर तेजी से बढ़ रहे हैं। वजह साफ है। पहले स्टेडियम बनता था, फिर सीटें बिकती थीं। अब स्टेडियम बनने से कई साल पहले ही उसकी कमाई शुरू हो जाती है। बैंक ऑफ अमेरिका स्टेडियम का यह मॉडल दिखाता है कि आधुनिक खेल कारोबार में सिर्फ मैदान नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी और अनुभव भी करोड़ों डॉलर की कमाई का बड़ा जरिया बन चुके हैं।

दिल्ली पुलिस ने एक्स से कहा-पीएम पर आपत्तिजनक पोस्ट हटाएं, पोस्ट करने वाले का नाम, पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी भी दें

नयी दिल्ली। पीएम मोदी समेत संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ एक्स पर कथित

आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों को लेकर दिल्ली पुलिस ने बुधवार को पत्र लिखा। पुलिस ने प्लेटफॉर्म से संबंधित पोस्ट और वीडियो तत्काल हटाने, साथ ही उन्हें पोस्ट करने वाले अकाउंट होल्डर्स के नाम, पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जैसी जानकारी देने को कहा है। एक दिन पहले सरकार ने मेटा को मोदी का वीडियो फेसबुक पर सीमित करने के लिए नोटिस जारी किया था।

हालांकि बाद में मेटा ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। लॉगिन और लॉगआउट की जानकारी भी मांगी-दिल्ली पुलिस ने अकाउंट के लॉगिन और लॉगआउट की जानकारी के साथ ही समय और तारीख का ब्योरा भी मांगा है।

इसके अलावा, जांच में मदद करने वाली अन्य सभी जरूरी जानकारी भी उपलब्ध कराने को कहा गया है। पुलिस ने प्लेटफॉर्म से इस पोस्ट और वीडियो से जुड़ी जानकारी को भविष्य की जांच के लिए सुरक्षित रखने को कहा है। मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट पर कार्रवाई-

दिल्ली पुलिस ने 27 जुलाई को एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक को नोटिस देकर पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक और अभद्र कमेंट्स वाले पोस्ट और वीडियो हटाने को कहा था। ये 20 जुलाई को 'संसद चलो मार्च' के दौरान सामने आए थे।

व्यंग्य, डिजिटल नेटवर्क बने जेन-जी के हथियार- दिल्ली के जंतर-मंतर पर चला 36 दिन का छात्र आंदोलन सिर्फ अपनी मांगों की वजह से चर्चा में नहीं रहा।

इसने विरोध प्रदर्शन का एक अलग मॉडल भी पेश किया। यहां न सिर्फ आंदोलन का तरीका बदला, बल्कि आंदोलन करने वाली पीढ़ी की सोच भी अलग दिखाई दी।

व्यंग्य, आपसी सहयोग, डिजिटल नेटवर्क, चौबीसों घंटे ऑनलाइन सक्रियता व महिला सुरक्षा जैसे पहलुओं ने इसे बाकी आंदोलनों से अलग बनाया। हालांकि, आखिर के दिनों में कुछ ऐसी घटनाएं भी हुईं, जिन्होंने सवाल भी खड़े किए।

पत्थर कारोबारी के घर 28 करोड़ कैश,15किग्रा सोना मिला- बंगाल के बीरभूम में बस चलाता था, नोट गिनते-गिनते 5 मशीनें खराब हुईं-आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पुलिस ने बुधवार रात एक छापेमारी में

रु28.5 करोड़ से ज्यादा कैश और 15 किलो सोना बरामद किया। सोने की कीमत करीब रु21.5 करोड़ आंकी गई है। इस तरह कुल बरामदगी करीब रु50 करोड़ की है। नोटों का ढेर इतना बड़ा था कि उन्हें गिनते-गिनते 5 करेंसी काउंटिंग मशीनें खराब हो गईं। पुलिस ने आरोपी मिनार मंडल को गिरफ्तार किया है। वह पहले राज्य परिवहन विभाग में बस ड्राइवर था और बाद में स्टोन कारोबार से जुड़ गया। आरोपी फरार पत्थर कारोबारी तुलु मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन का मैनेजर और साला है। तुलु मंडल वही शख्स है, जिसने 2024 में अपनी बेटी की करीब रु100 करोड़ की आलीशान शादी कराई थी। तुलु मंडल को पूर्व टीएमसी नेता अनुब्रत मंडल का करीबी माना जाता है। अनुब्रत जून में टीएमसी के बागी ऋतब्रत बनर्जी गुट में शामिल हो गए थे। बंगाल के मुंख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने सराहनीय काम किया है। उन्होंने छापेमारी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर कीं। पहले रु20 करोड़ कैश मिला, फिर रकम बढ़कर रु28 करोड़ हुई-पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार रात मिनार मंडल के घर पर छापेमारी शुरू की थी। पहले रु20 करोड़ कैश मिला था। पूरी रात चली गिनती के बाद बरामद रकम बढ़कर रु28.5 करोड़ हो गई। कैश को लोहे के बक्सों में भरकर मोहम्मद बाजार थाने ले जाया गया, जहां से इसे बैंक में जमा कराया जाएगा। पुलिस ने घर से 1-1 किलो के 14 गोल्ड बार और 100-100 ग्राम के 10 गोल्ड बिस्किट भी बरामद किए। इनकी कुल कीमत करीब रु21.5 करोड़ बताई गई है। गिरफ्तारी के बाद मिनार मंडल ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि कैश और सोना तुलु मंडल का है। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि करोड़ों रुपए की नकदी और सोना कहां से आया और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। तुलु मंडल पर टैक्स वसूली में करोड़ों की गड़बड़ी का आरोप-पुलिस को शक है कि बरामद नकदी पत्थर खदानों से वसूले गए सरकारी राजस्व का हिस्सा है, जिसे सरकारी खजाने में जमा कराने के बजाय हड़प लिया गया। 2016-17 के आसपास तुलु मंडल ने बीरभूम की स्टोन क्वारियों में DCR (District Collection Rate) वसूली का काम संभाला था। आरोप है कि सरकारी टैक्स की वसूली में करोड़ों रुपए की गड़बड़ी हुई। बीजेपी का दावा है कि पहले सरकार के खाते में रोज सिर्फ रु20-30 लाख जमा होते थे। अब रु83 करोड़ प्रति महीने मिलते हैं। तुलु मंडल पहले भी जांच एजेंसियों के रडार पर रह चुका है। 2022 में कैटल स्मगलिंग केस में सीबीआई ने उसके ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसके बाद ईडी ने भी उसे पूछताछ के लिए दिल्ली तलब किया था। हालांकि, इन आरोपों पर अब तक कोई अंतिम न्यायिक फैसला नहीं आया है।

दिल्ली सरकार को आदेश-सुप्रीम कोर्ट बोला-पैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराएं, केंद्र जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में इस्तेमाल हथियारों का रिकॉर्ड रखे

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी)

के संसद मार्च में बैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराया जाए। वहीं कोर्ट ने केंद्र से कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तैनात आरएएफ के हथियारों और गोला-बारूद के इस्तेमाल का पूरा रिकॉर्ड जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक प्रदर्शन में कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, संसद की ओर मार्च किया। ये लोग जंतर-मंतर से संसद मार्ग, जनपथ चौराहा, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, विजय चौक से संसद के करीब पहुंच गए थे।। सरकार ने कहा कि संसद मार्च में गोली नहीं चली। मंत्री फायरिंग का आदेश नहीं दे सकता। यह अधिकार मजिस्ट्रेट का होता है। पैलेट गन को लेकर क्या नियम हैं? भारत में पैलेट गन पर पूरी तरह बैन नहीं है, लेकिन इसके इस्तेमाल के लिए गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य कानून-प्रवर्तन एजेंसियों ने

सुरक्षित रखा जाए। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने पैलेट गन के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस विशेष स्थितियों में इसका इस्तेमाल कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब तक पैलेट गन के इस्तेमाल की परमिशन देने वाले पुलिस नियमों को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक इस पर रोक लगाने का आदेश देना मुश्किल है। कोर्ट ने इसके इस्तेमाल से जुड़ी गाइडलाइन पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। पूर्व आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद, प्रशांत कुमार सिंह और शेख इरशाद मंसूरी (दोनों पीड़ित) ने याचिका में पैलेट गन पर बैन लगाने की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि संसद मार्च में रैपिड एक्शन फोर्स ने छात्रों पर पैलेट गन चलाई थी। संसद मार्च में 100 से ज्यादा प्रदर्शनकारी घायल हुए-कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को इन लोगों ने संसद में घुसने की कोशिश की थी। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे। दावा किया गया कि छात्रों पर पैलेट गन भी चलाई गई। देर शाम को पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। राहुल गांधी का आरोप- पैलेट गन से छात्र की आंख की रोशनी गई-राहुल गांधी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि अमित शाह ने छात्रों पर फायरिंग और पैलेट गन चलाने का आदेश दिया। एक छात्र की आंख की रोशनी चली गई। राहुल गांधी ने 24 जुलाई को अपने आवास 10 जनपथ पर संसद मार्च में घायल स्टूडेंट के हाथ, पीठ और छाती में लगे घाव दिखाए। उन्होंने कहा, 'मैं यह बताना चाहता हूं कि यहां खड़ा मेरा भाई उस समय पैलेट गन से घायल हो गया था, जब वह तिरंगा लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहा था।' भाजपा ने आरोप खारिज किए- वहीं राहुल गांधी के आरोपों को भाजपा ने संसद में और प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खारिज किया।

खड़गे बोले- पेपर लीक संशोधन बिल से कुछ नहीं बदलेगा:पेपर चुराने वाले बचते रहे, मेहनती पिटते रहे; जितेंद्र सिंह बोले- विपक्ष मान रहा कानून जरूरी

नयी दिल्ली। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पेपर लीक से जुड़ा पब्लिक

एग्जामिनेशन (अनफेयर मीन्स की रोकथाम) संशोधन बिल पेश किया। इसपर सदन में चर्चा जारी है। कांग्रेस की तरफ से पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बोल रहे हैं। बिल पर करीब सात घंटे चर्चा होने की संभावना है। बुधवार को लोकसभा ने करीब 7 घंटे की बहस के बाद इसे पारित किया था। बिल में पेपर लीक की जांच 2 माह में पूरी करने का प्रावधान है। दोषियों को 10 साल तक जेल और संगठित अपराध के मामलों में 10 करोड़ रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है। बिल राज्यसभा में से पास होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष बोले- छात्रों पर कार्रवाई के लिए गृह मंत्री जिम्मेदार-कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा- 20 जुलाई को छात्र शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। संसद की ओर आ रहे थे, संवाद चाहते थे, लेकिन उन्हें लाठीचार्ज मिला। पैलेट गन, आंसू गैस, वॉटर कैनन, करंट, कील वाली लाठी और मेट्रो इंटरनेट बंद किए। इससे छात्र उग्र हो गए। खड़गे ने आगे कहा- कई छात्रों बच्चों के हाथ टूटे, पैर टूटे। इसका जिम्मेदार कौन है? इसके जिम्मेदार होम मिनिस्टर हैं। आप बंद कमरे में टीवी पर सब सुन रहे हैं, लेकिन आप ज्यादा दिन कमरे में छिप नहीं सकते। एक दिन हम आपको बाहर खींचकर लाएंगे और जनता के सामने हम दिखाएंगे कि देखिए क्या हैं ये। खड़गे ने कहा- दिल्ली में लाठीचार्ज पर अमित शाह मुंह नहीं खोल रहे-खड़गे ने कहा- अमित शाह साहब दिख ही नहीं रहे। छोटी-छोटी बातों पर आकर अपनी बात रखते हैं, इस तरफ क्यों नहीं आते, मुझे मालूम नहीं। पीएम भी मुंह नहीं खोल रहे। आप गृह मंत्री हो, कानून-व्यवस्था देखते हो, दिल्ली में इतनी गड़बड़ी पर भी मुंह नहीं खोल रहे हो। क्या स्विच लगा लिया है क्या मुंह पर। नहीं, मैं नहीं आऊंगा। आपको जो सबक सिखाया है छात्रों ने, वह फिर आकर सबक सिखा देंगे। खड़गे ने कहा- छात्रों के लिए कुछ नहीं किया-खड़गे ने कहा- सरकार को जन दवाब के आगे घुटने टेकने पड़े। युवाओं का संघर्ष रंग लाया। सरकार को झुकना पड़ा। करेंगे तो हमारी कुर्सी चली जाएगी। इसलिए उन्होंने कुर्सी बचाने के लिए ये काम किया, छात्रों के लिए कुछ नहीं किया। खड़गे बोले- माहौल को ठंडा करने के लिए सरकार बिल लाई-खड़गे ने कहा ने कहा- राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर थे। तब क्रेडिट नहीं मिल पाता। हम इस संशोधन बिल का स्वागत करते हैं, लेकिन इसमें भी आपकी मंशा सही नहीं है। ये जो माहौल चल रहा है, उसको ठंडा करने के लिए ये बिल लाया गया है। इसमें समस्या को सुलझाने की मंशा नहीं है। खड़गे ने कहा- हमने 2024 में मजबूत कानून की मांग की थी- राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- हमने 2024 में ही मजबूत कानून लाने की मांग की थी लेकिन आपने हमारी बात नहीं मानी। इस कानून को ठीक करने के लिए हम बार-बार आपको कहते रहे। 2 साल बाद जो आप जो काम कर रहे हैं वो तब क्यों नहीं किया। खड़गे ने कहा- सिर्फ जुर्माना बढ़ाने, सजा कड़ी करने, स्पेशल टास्क फोर्स और फास्ट ट्रैक कोर्ट के प्रावधान जोड़ देने से कुछ नहीं बदलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर चुराने वाले बचते रहे और मेहनत करने वाले छात्र परेशान होते रहे। जितेंद्र सिंह बोले- एनटीए का प्रस्ताव 33 साल पुराना, मोदी सरकार ने अधूरा काम पूरा किया-जितेंद्र सिंह ने कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) बनाने का विचार पहली बार 1992 में आया था, जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। इसके बाद कई समितियों ने भी इसकी सिफारिश की और 2010 में भी एजेंसी बनाने की जोरदार अनुशंसा की गई थी। उन्होंने कहा- यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार है, जिसने 33 साल से पेंडिंग इस काम को पूरा किया। मुझे उम्मीद है कि विपक्ष भी इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार जताएगा। जितेंद्र सिंह बोले- विपक्ष कानून में संशोधन की जरूरत को स्वीकार कर रहा-राज्यसभा में पेपर लीक से जुड़ा संशोधन बिल पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि विपक्ष की प्रतिक्रिया से साफ है कि वह 2024 के कानून और मौजूदा संशोधन की जरूरत को स्वीकार कर रहा है। उन्होंने कहा- देश में भर्ती के लिए यूपीएससी, स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (एसएससी), रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड (आरआरबी) और इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सिलेक्शन (आईबीपीएस) जैसी चार प्रमुख एजेंसियां हैं। वहीं उच्च शिक्षा में दाखिले के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) प्रमुख परीक्षा एजेंसी है। संसद में पीएम मोदी की हाईलेवल बैठक, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री शामिल हुए-संसद परिसर में पीएम मोदी के ऑफिस में हाईलेवल बैठक हुई। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल शामिल हुए। बैठक में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, पीयूष गोयल, हरदीप सिंह पुरी, सर्बानंद सोनोवाल और प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पी.के. मिश्रा भी मौजूद रहे। हालांकि, बैठक के एजेंडे की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में पब्लिक एग्जामिनेशन (अनफेयर मीन्स की रोकथाम) संशोधन विधेयक-2026 पेश किया। खड़गे बोले- जितेंद्र सिंह और नड्डा जिंदा तिलिस्मात का काम कर रहे- खड़गे ने कहा- हम से मेरा मतलब जनशक्ति से था। मेरा कहना है कि कम से कम आप (पीएम और गृहमंत्री) सदन में आएं रिप्लाई दें। हर बीमारी के लिए आपके पास एक दवाई है, जिंदा तिलिस्मात। हैदारबाद में जिंदा तिलिस्मान दिया जाता है। वैसे ही ये लोग हमेशा करते हैं। हर बात के लिए नड्डा साहब को लगा देते हैं। अब जितेंद्र सिंह आए हैं, हर बात के लिए उनको आगे कर देते हैं। ये सब जिंदा तिलिस्मात का काम कर रहे हैं। जिंदा तिलिस्मात क्या है? जिंदा तिलिस्मात हैदराबाद की एक बहुत पुरानी हर्बल दवा है। इसे 1920 के दशक से बनाया जा रहा है और सर्दी, खांसी, सिरदर्द, पेट दर्द जैसी कई छोटी-मोटी समस्याओं के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

दक्षिण भारत, खासकर हैदराबाद में यह काफी मशहूर है। राज्यसभा में किसी शब्द को कब हटाया जाता है? भाजपा सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान को असंसदीय बताते हुए सदन की कार्रवाई से हटाने के लिए कहा है।

राज्यसभा के नियम 261 में असंसदीय शब्दों का प्रावधान है। इसके तहत अगर सभापति (चेयरमैन) को लगता है कि किसी सदस्य ने ऐसा शब्द या टिप्पणी की है जो मानहानिकारक, अशोभनीय, असंसदीय या सदन की गरिमा के खिलाफ है, तो वे उसे सदन की कार्यवाही से हटाने का आदेश दे सकते हैं। जब किसी शब्द या टिप्पणी को रिकॉर्ड से हटाया जाता है, तो उसकी जगह तारांकन (*) लगाया जाता है और नीचे 'Expunged as ordered by the Chair' यानी 'सभापति के आदेश पर हटाया गया' लिखा होता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्यसभा में असंसदीय शब्दों की कोई तय सूची नहीं है।

कोई शब्द असंसदीय है या नहीं, इसका फैसला सभापति उस शब्द के इस्तेमाल, उसके संदर्भ और उस समय की परिस्थितियों को देखकर करते हैं।

रिश्ते सलाह से नहीं, साथ देने से संभलते हैं,मुश्किल में फंसे व्यक्ति को तुरंत समाधान न बताएं, उसे सुनें-समझें, यही उसके लिए मदद है

वॉशिंगटन। किसी अपने को दुख, तनाव या असफलता से

जूझते देखकर हमारी पहली प्रतिक्रिया सलाह देने की होती है। लेकिन मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि यह सही नहीं है। सही मदद का मतलब समस्या का हल बताना नहीं, बल्कि उसे यह एहसास दिलाना है कि वह अकेला नहीं है। जब व्यक्ति महसूस करता है कि उसकी बात सुनी और समझी गई है, तभी वह बेहतर फैसला लेने की स्थिति में आता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, संकट के दौर से गुजर रहे व्यक्ति को सबसे पहले भावनात्मक सुरक्षा चाहिए। उसे तुरंत सलाह देने के बजाय पहले उसकी भावनाओं को स्वीकार करना और बिना निर्णय के सुनना अधिक असरदार होता है। इससे भरोसा बढ़ता है और व्यक्ति खुद समाधान तक पहुंचने में सक्षम बनता है। टेनेसी की मनोचिकित्सक एली स्पॉट्स-डी लाजर कहती हैं कि सलाह तब असर करती है, जब व्यक्ति पहले यह महसूस कर ले कि उसकी बात सचमुच सुनी गई है। इसलिए 'यह बहुत कठिन होगा' या 'मैं तुम्हारे साथ हूं' जैसी छोटी बातें ज्यादा प्रभावी साबित होते हैं। लॉस एंजेलिस की विवाह एवं परिवार विशेषज्ञ शेरिल ग्रॉसकोफ के मुताबिक, सलाह देने की जल्दबाजी कई बार सामने वाले से ज्यादा हमारी अपनी बेचैनी को शांत करने की कोशिश होती है। हर समस्या का तुरंत समाधान संभव नहीं होता। ऐसे में अनिश्चितता को स्वीकार करने में मदद करना ज्यादा उपयोगी है। सवाल पूछें, आदेश न दें-वर्जीनिया की क्लीनिकल सोशल वर्कर मैरी मैकलॉफलिन कहती हैं कि व्यक्ति अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा विशेषज्ञ खुद होता है। इसलिए 'तुम्हें ऐसा करना चाहिए', कहने के बजाय 'तुम्हें क्या सही लगता है?' या 'तुम्हें सबसे बड़ी चिंता किस बात की है?' जैसे सवाल व्यक्ति को अपने उत्तर खोजने में मदद करते हैं। इससे उसका आत्मविश्वास भी बना रहता है। न्यूयॉर्क की मनोवैज्ञानिक मेलिसा ग्लक बताती हैं कि सीधे पूछ लें- 'तुम्हें अभी मेरी किस तरह की मदद चाहिए? सिर्फ सुनूं या कोई सुझाव दूं?' इससे अनचाही सलाह देने की गलती नहीं होती।सवाल पूछें, बच्चों की देखभाल या छोटे कामों में मदद करें-विशेषज्ञों के अनुसार, बातचीत के दौरान कुछ पल का शांत विराम भी मददगार होता है। मनोविज्ञान में इसे को-रेगुलेशन कहा जाता है, जिसमें शांत व्यवहार सामने वाले के तनाव को कम करने में मदद करता है। इसके विपरीत, जरूरत से ज्यादा घबराहट दिखाना उसकी चिंता और बढ़ा सकता है। अच्छी भावनात्मक मदद के 5 तरीके-1. पहले सुनें, बाद में सलाह दें। 2. व्यक्ति की भावनाओं को सही ठहराएं, उन्हें कमतर न आंकें। 3. 'मैं क्या करूं?' पूछकर उसकी जरूरत समझें। 4. सलाह देने के बजाय खुले सवाल पूछें। 5. जरूरत हो तो भोजन, बच्चों की देखभाल या छोटे कामों जैसी व्यावहारिक मदद भी कर सकते हैं।

सहेली के 'एक्स' से हुआ प्यार,पर प्यार के साथ गिल्ट भी है और डर भी, क्या मैं दोस्त को धोखा दे रही हूं?

नॉएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- मेरी उम्र 25 साल है। मेरी एक क्लोज फ्रेंड का साल भर पहले ब्रेकअप हो गया था, लेकिन

मेरी और उसके एक्स की बातचीत होती रही। अब हम एक-दूसरे को पसंद करने लगे हैं। मुझे डर है कि उसे डेट करने से मेरी सालों पुरानी दोस्ती टूट जाएगी। क्या अपनी फ्रेंड के 'एक्स' को डेट करना गलत है? क्या मुझे दोस्ती और प्यार में से किसी एक को ही चुनना होगा? जवाब- सबसे पहले तो सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। आपने जो सिचुएशन बताई है, उसमें आपकी कोई गलती नहीं है। यह समस्या समाज की और लोगों की संकुचित सोच की है। चलिए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। यह नैतिक अपराध नहीं, भावनात्मक चुनौती है-यह स्थिति पहली नजर में थोड़ी जटिल और संवेदनशील लगती है, लेकिन ऐसा नहीं है। आपके सावल से लग रहा है जैसे आप अपराधबोध में हैं। जबकि आपने जो किया है, वह नैतिक रुप से बिल्कुल भी गलत नहीं है। यह सिर्फ भावनात्मक चुनौती है। यह रिश्ता आपको और आपकी सहेली को कितना प्रभावित करेगा, यह तीन बातों पर निर्भर करेगा-दोनों पक्ष इस बात को कितनी मैच्योरिटी के साथ हैंडल करते हैं। वो कितनी गहराई और उदारता दिखाते हैं। वे अपने निजी जीवन में भावनात्मक रूप से कहां खड़े हैं और कितने खुश व संतुष्ट हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं? अपने दोस्त के एक्स के साथ रिश्ते में आने पर जो सिचुएशन बनती है, उसमें हमारा दिमाग 'लॉजिक' से ज्यादा 'गिल्ट' (अपराधबोध) से घिर जाता है। आप भी इसी के चलते खुद को कटघरे में महसूस कर रही हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं- मन में बुरे ख्याल क्यों उठ रहे हैं? आपके मन में जो सवाल उठ रहे हैं, उनके पीछे आपका अपना ही बनाया डर है। यह डर सामाजिक छवि और दोस्ती टूटने की आशंका से उपजा है। इस समाज में 'सहेली के एक्स' को डेट करना थोड़ा अजीब नजर से देखा जाता है। जब आप ऐसी सीमाओं को लांघते हैं, तो डर सताने लगता है कि लोग मुझे 'विलेन' समझेंगे। इन सवालों का तार्किक जवाब क्या है? भावनाओं के भंवर में लोग अक्सर लॉजिक भूल जाते हैं। अगर ठंडे दिमाग से सोचें, तो समझ आएगा कि आपके डर के पीछे की वजहें उतनी मजबूत नहीं हैं, जितनी आपकी खुशी की संभावनाएं हैं। आप कैसा महसूस

कर रहे हैं? किसी भी रिश्ते में दर्द या खुशी इस बात से तय नहीं होती कि सिचुएशन बाहर से कितनी जटिल है। अगर आपकी दोस्त अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुकी है और खुश है, तो संभव है कि उसे ज्यादा तकलीफ न हो। अगर वह अभी भी ब्रेकअप के दर्द से गुजर रही है, तो यह खबर उसे थोड़ा झटका दे सकती है। यह निश्चित है कि अगर आप दोनों इस रिश्ते में खुश हैं तो इस सिचुएशन को संभालना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है।।रिलेशनशिप में हमारी इनसिक्योरिटी की सबसे कॉमन वजह ये है कि लोग क्या कहेंगे? ज्यादातर लोग इसी डर से अपनी खुशी की बलि दे देते हैं। याद रखिए आपकी सहेली और उस लड़के का ब्रेकअप इसलिए हुआ, क्योंकि उनके बीच कुछ सही नहीं था।अगर आप दोनों साथ में बेहतर महसूस कर रहे हैं, तो मुमकिन है कि आप एक-दूसरे के लिए बेटर मैच' हों। प्यार की इस भावना को स्वीकार करना गलत नहीं है। आप इस रिश्ते में कैसा महसूस कर रही हैं, यह समझने के लिए खुद से कुछ सवाल पूछें- समय पर छोड़ दें कुछ फैसले ये भी हो सकता है कि जब आप अपनी दोस्त को यह बात बताएं, तो उसे एक पल को झटका लगे या बुरा महसूस हो। लेकिन कुछ चीजें समय और मैच्योरिटी के साथ समझ आती हैं। भविष्य में जब वह देखेगी कि आप दोनों साथ में खुश और स्टेबल हैं, तो शायद उसका नजरिया बदल जाए। कई बार रास्ते हमें खुद ही सही मंजिल तक पहुंचा देते हैं, हमें सिर्फ रास्ता तय करना है। आपको क्या करना चाहिए? अगर आप इस रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहती हैं, तो इन 4 बातों का ध्यान रखें- ईमानदार रहें- आपकी दोस्त को यह बात किसी और से पता चले, उससे पहले खुद ही पूरी बात बता दें। उससे यह रिश्ता छिपाना ही सबसे बड़ा धोखा है। सफाई न दें- आपकी सहेली का रिलेशनशिप भले ही कैसा रहा हो, उससे कभी ये न कहें कि 'तुम दोनों का रिश्ता खराब था।' स्पेस दें- खबर सुनने के बाद उसे गुस्सा करने का, नाराज होने का स्पेस दें। उसे मजबूर न करें कि वह तुरंत आपके रिश्ते को एक्सेप्ट ही करे। डेडलाइन तय न करें- दोस्ती को फिर से सामान्य होने में समय लग सकता है तो उसे पूरा वक्त दें। अंतिम सलाह- प्यार कभी अपराध नहीं हो सकता है। अगर आपकी नीयत साफ है और आप सहेली का सम्मान करती हैं, तो डरने की जरूरत नहीं है। अपनी खुशी को स्वीकार करें, सहेली के प्रति सहानुभूति रखें और समय को अपना काम करने दें। कई बार अच्छे रिश्ते कठिन परिस्थितियों से ही निकलकर आते हैं।

संजय दत्त हुए 67 के सलमान ने गिफ्ट की बीएमडब्लू, चाबी समुद्र में फेंकी,राजेश खन्ना-ऋषि कपूर को पीटने पहुंचे थे,बिगड़ते देख इंदिरा गांधी बोलीं- बोर्डिंग स्कूल भेजो

मुंबई। साल 1994। मुंबई की ठाणे सेंट्रल जेल की सबसे कड़ी सुरक्षा वाली अंडा बैरक में बंद एक आरोपी रक्षाबंधन के दिन

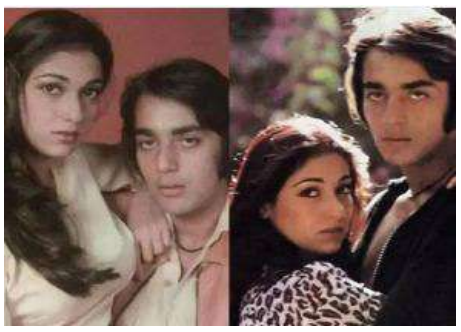

अपनी बहनों का इंतजार कर रहा था। लोहे की सलाखों के पीछे दोनों बहनों ने उसके हाथ पर राखी बांधी, लेकिन उस भाई की जेब पूरी तरह खाली थी। देने के लिए न कोई तोहफा था, न पैसे। कुछ पल तक वह चुप रहा। फिर जेल की कैंटीन से मिले दो-दो रुपए के चाय-नाश्ते के कूपन बहनों के हाथ में रख दिए और बोला, 'मेरे पास फिलहाल यही है।' यह वही शख्स था, जिसके नाम पर कभी सिनेमाघरों के बाहर भीड़ उमड़ती थी। जिसकी फिल्मों के पोस्टर शहरों में छाए रहते थे और जो करोड़ों लोगों का सुपरस्टार था, लेकिन वक्त ने ऐसी करवट बदली कि वही एक्टर जेल की चारदीवारी के भीतर बहनों को सिर्फ दो रुपए के कूपन ही दे सका। इंदिरा गांधी की सलाह पर बोर्डिंग स्कूल भेजा गया-संजय दत्त के जन्म के बाद सुनील दत्त और नरगिस ने अपने बेटे के नाम के लिए फिल्म पत्रिका 'शमा' के पाठकों से सुझाव मांगे थे। इसके बाद देशभर से लगभग 15,000 से अधिक नाम आए। 'संजय' नाम आगरा की रहने वाली पुष्पा अग्रवाल ने सुझाया था। संजय बचपन से ही परिवार के सबसे लाड़ले थे। माता-पिता, नानी और रिश्तेदार उनकी हर इच्छा पूरी कर देते थे। इसी वजह से वे बेहद जिद्दी भी होते जा रहे थे। स्कूल हो या घर, हर जगह उन्हें विशेष

तवज्जो मिलती थी। हालांकि, संजय सिर्फ जिद्दी नहीं थे, उनका दिल भी बहुत बड़ा था। एक बार दिल्ली में एक शादी के दौरान उन्होंने ठंड से कांप रहे एक गरीब बच्चे को अपना सूट उतारकर दे दिया था। लेकिन संजय की शरारतें परिवार की चिंता भी बढ़ा रही थीं। पत्रकार यासिर उस्मान द्वारा संजय दत्त पर लिखी किताब के मुताबिक छह साल की उम्र में उन्होंने पिता सुनील दत्त को सिगरेट पीते देखा और खुद भी सिगरेट पीने की जिद करने लगे। सुनील दत्त को लगा कि एक बार सिगरेट पीने के बाद बेटे का शौक खत्म हो जाएगा, लेकिन संजय ने पूरी सिगरेट पी ली। कुछ साल बाद वे घर आए मेहमानों की फेंकी हुई सिगरेट की बुझी हुई बटें बगीचे में छिपकर पीते हुए पकड़े गए। इस पर पिता ने उनकी पिटाई की थी। सुनील दत्त को एहसास हुआ कि जरूरत से ज्यादा लाड़-प्यार और फिल्मी माहौल का संजय पर गलत असर पड़ रहा है। तभी यह फैसला किया गया कि संजय को किसी बोर्डिंग स्कूल भेज दिया जाए। इसके बाद परिवार की करीबी मित्र और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सलाह दी कि संजय को मिलिट्री डिसिप्लिन के लिए हिमाचल प्रदेश के सनावर स्थित लॉरेंस स्कूल भेजा जाए। संजय जूतों में हेरोइन छिपाकर न्यूयॉर्क गए थे-1980 में संजय दत्त अपनी पहली फिल्म 'रॉकी' की शूटिंग में बिजी थे। इसी दौरान उनकी मां नरगिस की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। नरगिस को पैंक्रियाटिक कैंसर था और उन्हें इलाज के लिए न्यूयॉर्क के मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर ले जाना था। सुनील दत्त ने कांपती आवाज में अपने तीनों बच्चों संजय, नम्रता और प्रिया को बताया कि उनकी मां को कैंसर है। इसके बाद 'रॉकी' की शूटिंग रोक दी गई और 21 अगस्त 1980 को सुनील दत्त नरगिस को लेकर अमेरिका रवाना हो गए। न्यूयॉर्क में इलाज के दौरान नरगिस की कई सर्जरी हुईं। ऑपरेशन के बाद लगातार खून बहने से वे कोमा में चली गईं। इसी दौरान संजय दत्त खुद भी नशे की लत से जूझ रहे थे। मां की गंभीर हालत के बावजूद वे ड्रग्स नहीं छोड़ पा रहे थे। यासिर उस्मान की किताब के मुताबिक, न्यूयॉर्क जाते समय वे अपने जूतों में करीब 30 ग्राम हेरोइन छिपाकर ले गए थे। बाद में उन्होंने स्वीकार किया था कि उस घटना को याद करके उन्हें शर्म आती है। यहां तक कि नशे की वजह से उन्हें अपनी मां के लिए खून दान करने की अनुमति भी नहीं मिली थी। 'रॉकी' के प्रीमियर में नरगिस की याद में कुर्सी खाली छोड़ी गई-न्यूयॉर्क में करीब तीन महीने तक कोमा में रहने के बाद नरगिस को होश आया था। उनकी सबसे बड़ी इच्छा थी कि वे जल्द भारत लौटें और अपने बेटे की पहली फिल्म 'रॉकी' देखें। 6 मार्च 1981 को भारत लौटने के बाद 9 मार्च 1981 को सुनील दत्त उन्हें फिल्म 'रॉकी' दिखाने घर के प्रीव्यू थिएटर तक ले गए। कमजोरी के कारण वे पूरी फिल्म नहीं देख सकीं और सिर्फ सात रील देखने के बाद उन्हें वापस कमरे में ले जाना पड़ा, लेकिन जितना देखा, उससे वे बेहद खुश थीं। उन्हें विश्वास था कि उनका बेटा संजू बड़ा स्टार बनेगा। संजय की डेब्यू फिल्म 'रॉकी' का प्रीमियर 7 मई 1981 को तय किया गया था। प्रीमियर से ठीक चार दिन पहले, 3 मई 1981 को नरगिस का निधन हो गया। इसके बाद फिल्म के प्रीमियर के दौरान सुनील दत्त ने थिएटर में संजय के बगल वाली कुर्सी नरगिस की याद में खाली रखी थी। ऋषि कपूर-राजेश खन्ना को पीटने पहुंच गए थे-फिल्म 'रॉकी' की शूटिंग के दौरान संजय दत्त और एक्ट्रेस टीना मुनीम के बीच प्यार हुआ। इस रिश्ते में संजय बेहद पजेसिव बॉयफ्रेंड थे। दोनो का अफेयर लगभग 2 साल तक चला था। यासिर उस्मान की किताब के मुताबिक, फिल्म 'कर्ज' में टीना मुनीम ऋषि कपूर के साथ काम कर रही थीं। तब दोनों के बीच प्रेम संबंध होने की अफवाह फैल गई थी। इससे संजय इतने गुस्से में आ गए कि वे ऋषि कपूर की पिटाई करने के इरादे से उनके घर पहुंच गए थे। संजय ने एक्टर गुलशन ग्रोवर से भी अपने साथ चलने को कहा। गुलशन ने बाद में बताया था-'संजय और मैं भाइयों जैसे थे। एक दिन उसने मुझसे कहा, 'चलो चिंटू (ऋषि कपूर) के घर चलते हैं, उसकी पिटाई करनी है।' हम वहां गए भी, लेकिन उनकी मंगेतर नीतूजी (नीतू सिंह) ने हमें समझाया कि चिंटू का कोई अफेयर नहीं है। इसके बाद हम वहां से लौट आए।' बाद में फिल्म 'सौतन' की शूटिंग के बाद टीना मुनीम और राजेश खन्ना की नजदीकियों की खबरें फिल्म इंडस्ट्री में फैलने लगीं। बाद में संजय ने स्वीकार किया कि उन्हें यह बर्दाश्त नहीं हो रहा था कि टीना उन्हें छोड़कर किसी और के करीब चली जाएं। इसके बाद गुस्से में वे सीधे महबूब स्टूडियो पहुंच गए, जहां राजेश खन्ना शूटिंग कर रहे थे। संजय ने राजेश खन्ना के ठीक सामने कुर्सी खींचकर लगा ली और उन्हें लगातार घूरते रहे। बाद में संजय ने खुद स्वीकार किया कि अगर उस दिन राजेश खन्ना ने कुछ भी कहा होता, तो वे उन पर हमला कर देते, लेकिन राजेश खन्ना शांत बैठे रहे और कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। आखिरकार संजय वहां से लौट आए। संजय दत्त और रेखा की गुपचुप शादी की अफवाह उड़ी थी-साल 1982 में अफवाह फैल गई कि संजय दत्त ने एक्ट्रेस रेखा से गुपचुप शादी कर ली। दरअसल, मशहूर फिल्म मैगजीन सिनेब्लिट्ज ने अपने कॉलम 'रिप ऑफ' में लिखा था-'हमें अपने बेहद भरोसेमंद सूत्रों से पता चला है, जो होटल सी रॉक के आसपास मौजूद थे, कि संजय और रेखा ने अपनी कथित शादी

के शुरुआती कुछ दिन वहीं साथ बिताए। अगर आप सोच रहे हैं कि होटल में किसी ने उन्हें क्यों नहीं देखा, तो याद रखिए कि वहां 'रूम सर्विस' जैसी सुविधा भी होती है।' मैगजीन ने आगे लिखा था-'संजय दत्त इन दिनों खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। उनकी अपनी 'कवयित्री' रेखा उनके लिए छोटी-छोटी प्रेम कविताएं लिख रही हैं, 'तुम मेरी ताकत हो, मेरा सहारा हो, मेरे प्यारे से फूल हो।' यासिर उस्मान की किताब के मुताबिक, इन खबरों से फिल्म इंडस्ट्री में सनसनी फैल गई। हालांकि, संजय दत्त और रेखा दोनों ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया। एक इंटरव्यू में संजय ने साफ कहा था कि रेखा से मेरा कोई रिश्ता नहीं है। मेरी शादी की खबर पूरी तरह साजिश और झूठ है। यहां तक कि मेरी तथाकथित गुप्त शादी की कहानी भी गढ़ दी गई। संजय ने कहा था कि कुछ रिपोर्टों में

तो यह तक लिखा गया कि शादी के 15 दिन बाद वे रेखा को अपने पिता सुनील दत्त से आशीर्वाद दिलाने ले गए, लेकिन सुनील दत्त ने उन्हें घर से बाहर निकाल दिया। संजय ने इन सभी दावों को मनगढ़ंत बताते हुए कहा था कि उन्होंने कभी रेखा से शादी की। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि उनका नाम रेखा के साथ क्यों जोड़ा जा रहा है, जबकि वे जानते हैं कि रेखा का रिश्ता फिल्म इंडस्ट्री के एक बड़े शख्स से है।संजय का मानना था कि यह अफवाह इसलिए भी फैली, क्योंकि वे उस समय अस्पताल में भर्ती अमिताभ बच्चन से मिलने नहीं जा सके थे। जेल में बहनों को दो-दो रुपए के कूपन दिए-साल था 1994 और महीना था जुलाई। अवैध रूप से हथियार रखने के मामले में संजय दत्त की अंतरिम जमानत अदालत ने रद्द कर दी और उन्हें ठाणे सेंट्रल जेल भेज दिया गया। उन्हें जेल की सबसे कड़ी सुरक्षा वाली अंडा बैरक में रखा गया। यह वही जगह थी, जहां खतरनाक अपराधियों और टाडा के आरोपियों को रखा जाता था। करीब 10 बाई 10 फीट की उस छोटी-सी कोठरी में न धूप आती थी और न ही बाहर की दुनिया दिखाई देती थी। एक छोटा-सा बल्ब, एक गद्दा और कोने में बिना फ्लश वाला शौचालय। संजय दत्त ने बाद में बताया था कि शुरुआती डेढ़ महीने तक उन्हें दूसरे कैदियों से मिलने तक की इजाजत नहीं थी। अकेलापन इतना बढ़ गया कि उन्होंने समय काटने के लिए चींटियों को घंटों चलते हुए देखना शुरू कर दिया था। बाहर पिता सुनील दत्त लगातार बेटे की जमानत के लिए नेताओं, वकीलों और अधिकारियों के चक्कर लगा रहे थे। बहनें प्रिया और नम्रता भी नियमित रूप से जेल जाती थीं, लेकिन अक्सर सिर्फ दूर से ही संजय को देख पाती थीं। वहीं, रक्षाबंधन पर बहनों ने जेल में उन्हें राखी बांधी। उस समय संजय के पास देने के लिए कोई तोहफा नहीं था। उन्होंने अपनी बहनों को सिर्फ जेल की कैंटीन के दो-दो रुपए वाले चाय-नाश्ते के कूपन दिए और कहा था, 'मेरे पास फिलहाल यही है।' बेटी के एक्टिंग करने पर बोले थे- टांगें तोड़ दूंगा-संजय दत्त की बड़ी बेटी त्रिशाला दत्त का जन्म 1988 में उनकी पहली पत्नी रिचा शर्मा से हुआ था। जब वह सिर्फ 8 साल की थीं, तब ब्रेन ट्यूमर के कारण उनकी मां का निधन हो गया। इसके बाद उनका पालन-पोषण न्यूयॉर्क में नाना-नानी ने किया। त्रिशाला कभी बॉलीवुड में अभिनेत्री बनना चाहती थीं, लेकिन संजय दत्त इसके सख्त खिलाफ थे। 2016 में फिल्म 'भूमि' के प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा था, 'त्रिशाला एक्ट्रेस बनना चाहती थी और मैं उसकी टांगें तोड़ देना चाहता था।' संजय दत्त ने यह भी कहा था, 'मैंने उसे एक अच्छे कॉलेज में भेजने के लिए अपना बहुत समय और एनर्जी लगाई है। उसने फोरेंसिक साइंस में विशेषज्ञता हासिल की है और मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन करियर है।' सलमान की बीएमडब्लू की चाबी समुद्र में फेंक दी थी-संजय दत्त और सलमान खान की दोस्ती बॉलीवुड में मिसाल मानी जाती है। हालांकि, एक बार ऐसा भी हुआ था जब संजय दत्त, सलमान से नाराज हो गए थे। इस किस्से का खुलासा खुद सलमान ने रजत शर्मा के शो में किया था। सलमान ने बताया था कि सोहेल खान की फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' में संजय दत्त ने दोस्ती की खातिर गेस्ट अपीयरेंस किया था। शूटिंग पूरी होने के बाद संजय दत्त सलमान के घर पहुंचे, जहां पार्टी चल रही थी। उसी दौरान सलमान के पास नई बीएमडब्लू एम5 आई थी। वह संजय दत्त को बाहर ले गए और बोले, 'बाबा, यह देश की पहली बीएमडब्लू एम5 है और मैं चाहता हूं कि यह आपके पास हो।' इतना सुनते ही संजय दत्त ने सलमान को धन्यवाद कहा, लेकिन अगले ही पल कार की चाबी उठाकर सीधे समुद्र में फेंक दी। चाबी समंदर में चली गई और क्योंकि कार की केवल एक ही चाबी थी, इसलिए वह कई दिनों तक घर के बाहर ही खड़ी रह गई। सलमान ने बताया था कि उस चाबी को ढूंढकर निकालने में पूरे चार दिन लगे थे।

12 मार्च 1993 मुंबई (तब बॉम्बे) में 12 बम धमाके हुए, जिनमें 257 लोग मारे गए और 700 से अधिक घायल हुए। अप्रैल 1993 जांच में सामने आया कि संजय दत्त ने अबू सालेम के जरिए एक एके-56 राइफल और कारतूस लिए थे। 19 अप्रैल 1993 मौरीशस से मुंबई लौटते ही हवाई अड्डे पर संजय दत्त को गिरफ्तार कर लिया गया। मई 1993 करीब 16-18 दिन जेल में रहने के बाद उन्हें पहली बार अदालत से जमानत मिली। जुलाई 1994 टाडा अदालत ने जमानत रद्द कर दी, जिसके बाद उन्हें दोबारा गिरफ्तार किया गया। अक्टूबर 1995 सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा जमानत दी। करीब 16 महीने जेल में रहने के बाद वे बाहर आए। नवंबर 2006 टाडा अदालत ने आतंकवाद (टाडा) के आरोपों से बरी किया, लेकिन आर्म्स एक्ट के तहत अवैध हथियार रखने का दोषी ठहराया।जुलाई 2007 टाडा अदालत ने 6 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। उन्हें यरवदा जेल भेजा गया। अगस्त 2007 में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई। 21 मार्च 2013 सुप्रीम कोर्ट ने दोषसिद्धि बरकरार रखते हुए सजा 6 साल से घटाकर 5 साल कर दी और 4 सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया। 16 मई 2013 संजय दत्त ने मुंबई की अदालत में सरेंडर किया। उन्हें बची हुई सजा काटने के लिए पुणे की यरवदा केंद्रीय जेल भेजा गया। 25 फरवरी 2016 जेल में अच्छे व्यवहार के आधार पर सजा में छूट मिली और वे रिहा हो गए।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।